हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

# देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 04 अंक–111 : जौनपुर, शुक्रवार 17 जून 2022 | सान्ध्य दैनिक ( संस्करण ) | पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

## यूपी में 75 हजार स्थानों पर साढ़े तीन करोड़ लोग करेंगे योगा –मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ ब्यूरो : प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को 75 हजार जगहों पर योगाभ्यास होगा। इसमें करीब साढ़े तीन करोड़ लोग एक साथ जुड़ेंगे। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। योग दिवस पर सांस्कृतिक व ऐतिहासिक स्थलों पर विशेष आयोजन होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को उच्चस्तरीय बैठक कर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 8वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम इस बार 'मानवता के लिए योग' है। यह सुनिश्चित कराया जाए कि सभी 58 हजार ग्राम पंचायत, 14 हजार नगरीय वार्ड के लोग कार्यक्रम से जुड़ें। इस तरह साढ़े तीन करोड़ लोगों को योग से जोड़ने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि जगह–जगह लाइव टेलीकास्ट की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए। इस दौरान आयुर्वेद विभाग के निदेशक प्रो. एसएन सिंह ने बताया कि योग दिवस को लेकर हर जिले में निरंतर कार्यक्रम चल रहे हैं। इसे व्यापक बनाने की तैयारी की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार द्वारा चयनित प्रदेश के छह स्थलों सारनाथ (वाराणसी), रेजीडेंसी (लखनऊ), अयोध्या, कुशीनगर, फतेहपुर सीकरी (आगरा) और हस्तिनापुर (मेरठ) में बड़े आयोजन किए जाने हैं। इसमें केंद्रीय मंत्री मौजूद रहेंगे। इसी तरह राज्य सरकार द्वारा राजभवन (लखनऊ), त्रिवेणी संगम (प्रयागराज), झांसी किला, मथुरा, मां विंध्यवासिनी धाम परिसर (मिर्जापुर) गोरखनाथ मंदिर परिसर (गोरखपुर), नैमिषारण्य (सीतापुर), काशी विश्वनाथधाम परिसर (वाराणसी), बिठूर (कानपुर),

चित्रकूट, श्रावस्ती और अक्षय वट वाटिका (मुजफ्फरनगर) के धार्मिक, ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महत्व के स्थलों पर मुख्य योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन कराया जाए। इस कार्यक्रम से आमजन स्वतः स्फूर्त भाव से जुड़े, इसके लिए सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं का सहयोग लिया जाना चाहिए। सीएम ने निर्देश दिए कि हर जिले में एक मुख्य कार्यक्रम होगा। मंत्री अपने प्रभार वाले मंडल के किसी एक जिले में अनिवार्य रूप से मौजूद रहेंगे। कुछ जिलों में केंद्रीय मंत्रीगणों की उपस्थिति भी रहेगी। जहां मंत्रीगणों की उपस्थिति नहीं हो सकेगी, वहां नोडल अधिकारी प्रतिभाग करेंगे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों को जोड़ने का निर्देश मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जहां भी योगाभ्यास होता, वहां के स्थानीय जनप्रतिनिधियों को कार्यक्रमों से जोड़ा जाए। योगाभ्यास के लिए योग प्रशिक्षक भी दिए जाएं। उन्होंने कहा कि ग्राम्य विकास व नगर विकास विभाग द्वारा योगाभ्यास के लिए प्रस्तावित स्थलों पार्कों की साफ–सफाई करा ली जाए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आवश्यकतानुसार कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। एनसीसी कैडेट, स्काउड एंड गाइड और एनएसएस स्वयंसेवकों को योग दिवस से जोड़े जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस बल की सतत पेट्रोलिंग के निर्देश दिए। पुलिस लाइन में भी योगाभ्यास कराने के निर्देश दिए।

## जिला अस्पताल में बच्चों के टेढ़े मेढ़े पैरों का निःशुल्क इलाज

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवासतव : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मुफ्तीगंज पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ श्रवण कुमार यादव की अध्यक्षता में बच्चों के जन्मजात टेढ़े–मेढ़े पंजों (क्लबफुट) का इलाज करने के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ), एएनएम, आशा कार्यकर्ता और संगिनी की क्लबफुट से संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। उन्हें बताया गया कि ऐसी स्थिति में उन्हें कहां और कैसे इलाज मिल सकेगा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के डिस्ट्रिक्ट अर्ली इनटरवेंशन सेंटर (डीईआईसी) प्रबंधक अमित कुमार गौड़ ने बताया कि बच्चों में क्लबफुट की समस्या का समाधान करने के लिए मिरेकल फीट संस्था काम कर रही है। मिरेकल फीट ऐसे बच्चों के उपचार के लिए आरबीएसके तथा एनएचएम के साथ साझेदारी में काम करती है। मिरेकल फीट से मिलने वाली सुविधाओं का फायदा उठाने के लिए प्रभावित बच्चों की जल्द से जल्द पहचान कर इलाज के लिए लाना जरूरी है। प्रभावित बच्चे के लिए फूट ब्रेसेज सहित पूरी चिकित्सा सुविधा निःशुल्क है। हर शुक्रवार को जिला अस्पताल के हड्डी विभाग कमरा नम्बर 10 में मिरेकल फीट की निःशुल्क सुविधाओं का लाभ उठाया जा सकता है। इसके तहत दो वर्ष तक के ही बच्चों को निःशुल्क उपचार की सुविधा मिलती है। उन्होंने क्लब फुट प्रभावित बच्चों की सुविधा के लिए मिरेकल फीट की प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव अंकिता श्रीवास्तव का मोबाइल नम्बर 7208820488 भी जारी किया। मिरेकल फीट्स के ब्रांच मैनेजर भूपेश सिंह ने बताया कि क्लबफुट एक जन्मजात विकृति है जिसमें बच्चों के पैर अंदर की ओर मुड़ जाते हैं। प्रभावित बच्चों का पौनसेटी विधि से बहुत आसानी से इलाज हो जाता है। इसके तहत प्रभावित बच्चे को कास्टिंग, टेनोटामी और फिर ब्रेसिंग की प्रक्रिया से गुजारा जाता है। क्लब फुट के इलाज के लिए पौनसेटी विधि के तहत प्लास्टर लगाया जाता है जिसे हर सप्ताह बदला जाता है। इस तरह से बच्चे को पांच से छह प्लास्टर लगते

हैं। पौनसेटी विधि पूरी हो जाने पर क्लब फूट क्लीनिक ले जाया जाता है जहां डॉक्टर एड़ी के एक हिस्से (एकेलीज टेंडान) में मामूली कट लगाते हैं। टेडान काटने से पंजा ऊपर–नीचे हरकत करने लायक हो जाता है। इस कार्य विधि के दौरान पंजे पर एक बार तीन सप्ताह के लिए प्लास्टर चढ़ाते हैं। इसके बाद पंजे को सही स्थिति में रखने के लिए ब्रेसेज (दो जूतों वाली छड़) का उपयोग करते हैं। ब्रेस तीन महीने तक दिन–रात पहननी होती है। तीन महीने बाद सिर्फ सोते समय पहनना होता है। पंजे वापस अंदर की ओर न मुड़ने पाएं इसलिए बच्चे को तीन से पांच साल का होने तक ब्रेस पहनना होता है। मिरेकल फीट की प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव अंकिता श्रीवास्तव ने बताया कि फुट ब्रेसेस सहित पूरी चिकित्सा निःशुल्क की जाती है। जौनपुर में वर्ष 2019 में क्लबफुट क्लीनिक की शुरुआत हुई। अभी तक 81 बच्चों का पंजीकरण हुआ है जिसमें से 14 बच्चों को प्लास्टर चलाया जा रहा है। प्लास्टर के बाद बच्चों को जूते मिल जाते हैं और पांच वर्ष तक उसका फॉलोअप लिया जाता है। इस दौरान उन्हें डॉक्टर को समय से दिखाया जाता है और उनके परामर्श के अनुसार सेवाएं दी जाती हैं। मिरेकल फीट पूरे उपचार के दौरान पैर के लिए फ्री ब्रेसेस देती है। वह स्वयं ही उपचार प्रोटोकॉल और जागरूकता सामग्री के बारे में जानकारी देने के साथ–साथ परामर्श भी देती हैं। जिला अस्पताल में मिरेकल फीट की साप्ताहिक क्लबफुट क्लिनिक प्रत्येक शुक्रवार को सुबह नौ बजे से दोपहर दो बजे तक संचालित होती है। कार्यक्रम को ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक (बीपीएम) अखिलेश कुमार ने भी संबोधित किया।

## आवश्यक सूचना

**आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–**

**www.Deshkiupasana.com**
**www.Deshkiupasana.in**
**www.Deshkiupasana.org**

**–संपादक**

## पत्रकार अजय सिंह का असमय जाना अपूरणीय क्षति है : अमित सिंह

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवासतव : उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जनपदीय अध्यक्ष अमित सिंह की अध्यक्षता में प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर में एक शोक सभा आयोजित कर वरिष्ठ पत्रकार अजय सिंह के असमय मृत्यु पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखते हुए उनकी आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना की गयी। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि अजय सिंह जैसे निर्भीक निडर ईमानदार पत्रकार का असमय अपने बीच से जाना अत्यंत ही दुःखद एवं पत्रकारिता जगत तथा पूरे जनपद के लिए एक अपूरणीय क्षति है। अजय सिंह न सिर्फ एक कुशल एवं प्रखर पत्रकार थे बल्कि सहजता सरलता के प्रतिमूर्ति थे, दुःख की इस घड़ी में प्राथमिक शिक्षक संघ उनके परिवार के साथ खड़ा है। इस अवसर पर जिलामंत्री सतीश पाठक कोषाध्यक्ष रोहित यादव उपाध्यक्ष सतीश सिंह राजेश सिंह उमेश यादव अतुल सिंह जिला संगठन मंत्री अश्वनी सिंह शैलेन्द्र सिंह संतोष बघेल शैलेश सिंह ब्लाक अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह सरोज सिंह दिवाकर चौहान भूपेश सिंह राजीव रत्नाव तिवारी मुन्ना लाल स्वतंत्र कुमार विशाल सिंह प्रदीप सूर्या सुधाकर पारस नाथ यादव अजय सिंह राजीव मणि त्रिपाठी अजीत सिंह राजीव लोहिया राजीव उपाध्याय गिरीश सिंह संतोष सिंह रोहित सिंह सजल सिंह धनंजय मिश्र उमेन्द्र सिंह इत्यादि लोग उपस्थित होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

## केजरीवाल के मंत्री सत्येंद्र जैन और उनके सहयोगियों के ठिकानों पर ईडी का छापा

नई दिल्ली ब्यूरो : दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन और उनके सहयोगियों के ठिकानों पर ईडी की ने छापा मारा है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कई स्थानों पर यह कार्रवाई चल रही है। बताया जा रहा है कि कम से कम 10 आवासीय और व्यावसायिक स्थानों पर ईडी की टीम की कार्रवाई चल रही है। जैन को ईडी ने 30 मई को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत गिरफ्तार किया था, फिलहाल जैन न्यायिक हिरासत में हैं। जमानत याचिका पर सुनवाई में मंगलवार सुबह ईडी की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसबी राजू और सत्येंद्र की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता हरिहरन ने पक्ष रखा था। विशेष न्यायाधीश गीतांजलि गोयल ने दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। याचिका 9 जून को दी दाखिल की गई थी। इस पर फैसला शनिवार को आएगा।

## उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से सचिवालय कक्ष में संगठनों ने भेंट कर समस्या से कराया अवगत –अतुल मिश्रा

लखनऊ डीकेयू ब्यूरो : आज दिनांक 17 जून 2022 को कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष श्री वी पी मिश्रा ,महासचिव शशि कुमार मिश्र व राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के नेतृत्व में परिषद से सम्बद्ध विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने माननीय उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक जी से सचिवालय में मुलाकात की व विभिन्न कर्मचारी संगठनों की समस्याओं से उन्हें अवगत कराया ।राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्री सुरेश रावत व महामंत्री श्री अतुल मिश्रा ने माननीय उपमुख्यमंत्री जी को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की समस्याओं से अवगत कराते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग के प्रत्येक संवर्ग का कर्मचारी सरकार के निर्देशों पर रात दिन कार्य कर रहा है। कोरोना महामारी के दौरान कर्मचारी ने अपनी जान हथेली पर रखकर कार्य किया न जाने कितने कर्मचारी कार्य के दौरान दिवंगत हुए ऐसे में कर्मचारी की समस्याओं का निराकरण कर उन्हें उत्साहित किया जाना चाहिए था परंतु विभाग एवं शासन स्तर पर कर्मचारियों की अनेकों छोटी बड़ी समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं एवं विभागीय व शासन के अधिकारी उनके निराकरण पर रुचि नहीं ले रहे हैं जिस कारण कर्मचारियों में निराशा व्याप्त हो रही है। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संदीप बडोला ने मुख्यमंत्री के समक्ष फार्मेसिस्टों की वेतन विसंगति, पदनाम परिवर्तन, चिकित्सकों की अनुपस्थिति में चिकित्सीय कार्य कर रहे फार्मेसिस्टों को विधिक मान्यता दिए जाने,पद सर्जन के मानकों में संशोधन किए जाने, फार्मासिस्ट की नियुक्ति हेतु न्यूनतम योग्यता भारत सरकार की भांति किए जाने, भारत सरकार में सीजीएचएस में कार्य कर रहे फार्मासिस्ट की भांति ए सी पी के साथ उच्च पदनाम भी प्रदान किए जाने आदि मांगों पर विस्तार से चर्चा कर उनके निराकरण की मांग की व उपमुख्यमंत्री जी द्वारा इन बिंदुओं पर शासन से पत्रावली तलब किए जाने के निर्देश जारी किये। लैब टेक्नीशियन एसो के अध्यक्ष सुरेश रावत ने प्रयोगशाला सहायक की पदोन्नति प्रयोगशाला प्राविधिक के पद पर २५ : पद पर करने के निर्णय पर अनुरोध किया कि प्रयोगशाला सहायक के पदों का मर्जर एल टी के पदों में कर

दिया जाये उससे एल टी के पदो की संख्या बढ़ेगी जिसका लाभ जनता को होगा व उनको ब्रिज कोर्स कराया जाये जिसपर मा नच–उनीलंउंदजतप जी ने आश्वस्त किया कि प्रभावी कार्यवाही की जाएगी ।ऑप्टोमेट्रिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जी एम सिंह, डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के महामंत्री उमेश मिश्रा ,मेडिकल कॉलेज कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष विपिन त्यागी , एक्सरे टेक्निशियन संघ के अध्यक्ष राम मनोहर कुशवाहा,आर के पी सिंह ,बेसिक हेल्थ वर्कर एसो के अध्यक्ष धनंजय तिवारी ,सहायक मलेरिया अधिकारी संघ के अध्यक्ष रमेश ,डा राम मनोहर लोहिया संस्थान के अध्यक्ष अनिल कुमार ने अपने अपने संगठन में व्याप्त समस्याओं की ओर माननीय उपमुख्यमंत्री जी का ध्यान आकर्षित किया और व्याप्त समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की उप मुख्यमंत्री जी ने शासन स्तर से समस्त समस्याओं पर तत्काल पत्रावली मंगाने के निर्देश जारी किए एवं प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया शासन एवं विभागीय स्तर के अधिकारियों के साथ समस्त कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों की वार्ता शीघ्र कराकर कर्मचारी की समस्याओं का निराकरण कराया जाएगा।परिषद के महामंत्री अतुल मिश्रा ने उपमुख्यमंत्री जी से मांग की आवश्यक सेवाओं व कोरोना महामारी को दृष्टिगत रखते हुए स्वास्थ्य विभाग के पैरामेडिकल कर्मचारियों के नीतिगत स्थानांतरण न किए जाएं मात्र स्वयं के अनुरोध पर ही कर्मचारियों के स्थानांतरण किये जाए। कर्मचारियों की पदोन्नति ,पदनाम परिवर्तन की कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर की जानी चाहिये चूकी इसमें वित्तीय भार नही पड़ना है ।माननीय उपमुख्यमंत्री जी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया उनके स्तर से शीघ्र सकारात्मक कार्यवाही संपन्न की जाएगी।

## योग व शास्त्र रोगों को जड़ से समाप्त करता है : कृष्ण दत्त मिश्र

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। 21 जून तक एनसीसी कैंप ला मार्टिनियर के बच्चों को योगाचार्य कृष्ण दत्त मिश्र के द्वारा बच्चों को योग

के मूल रहस्य एवं प्रोटोकॉल अभ्यास नित्य प्रतिदिन कराना सुनिश्चित हुआ है बच्चों ने यह शपथ ली है कि हम नियमित योग करेंगे और लोगों को प्रेरित भी करेंगे योग व शास्त्र है जो रोगों को जड़ से समाप्त करता है ऐसा कृष्ण दत्त मिश्र ने कहा एवं वहां के शिक्षकों को और छात्र छात्राओं को रोग के अनुसार योग के रहस्य को बताया आगे यह जारी रहेगा एनसीसी के बच्चों को बताया गया अनुशासन ही योग है।

## प्रधानमंत्री शहरी आवास में वित्तीय अनियमिता के आरोप में डीएम ने दो कर्मचारियों के खिलाफ दर्ज कराया एफ0आई0आर0

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवासतव : परियोजना अधिकारी, डूडा, अनिल कुमार वर्मा ने अवगत कराया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी के अन्तर्गत आपराधिक षड्यंत्र करके वित्तीय अनियमिता करने वाले डूडा के दो कर्मचारियों यथा सी0एल0टी0सी0 यशवीर सिंह एवं कन्सलटेन्ट एम0आई0एस0 आमिर खान के विरूद्ध जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के आदेश पर अनिल कुमार वर्मा परियोजना अधिकारी डूडा जौनपुर ने लाइन बाजार थाने में सुसंगत धाराओं में एफ0आई0आर0 दर्ज कराया है। उक्त कर्मचारियों के विरूद्ध एफ0आई0आर0 दर्ज होने की खबर से डूडा के अन्य कर्मचारियों एवं जे0ई0, सर्वेयरों में हडकम्प मचा हुआ है। डूडा के चेयरमैन जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा) लखनऊ द्वारा सन् 2018 में प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी के क्रियान्वयन हेतु डूडा जौनपुर में सी0एल0टी0सी0 के पद पर नियुक्त किये गये आउटसोर्सिंग कर्मचारी यशवीर सिंह तथा उक्त आवासीय योजना की क्रियान्वयन हेतु नामित कन्सलटेन्ट एजेन्सी मेसर्स सरयू बाबू इंजीनियर्स इण्डिया प्रा0लि0 सूडा भवन लखनऊ द्वारा नियुक्त किये गये एम0आई0एस0 आमिर खान के द्वारा आपराधिक षडयंत्र करके प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी के 07 लाभार्थियों को दुबारा प्रथम किस्त की धनराशि पचास–पचास हजार तथा 05 लाभार्थियों को दुबारा द्वितीय किस्त की धनराशि डेढ़–डेढ़ लाख एवं 12 ऐसे व्यक्ति जिनका नाम प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी के डी0पी0आर0 में शामिल ही नही है (आउट आफ डी0पी0आर0) को प्रथम एवं द्वितीय किस्त की धनराशि तथा 03 लाभार्थियों के प्रथम किस्त की धनराशि दूसरे व्यक्ति के खाते में अवमुक्त कर वित्तीय अनियमिता की गई है। उक्त मामले की जानकारी परियोजना अधिकारी डूडा अनिल कुमार वर्मा तथा मुख्य राजस्व अधिकारी रजनीश राय द्वारा संज्ञान में लाने पर सी0एल0टी0सी0 यशवीर सिंह, को नोटिस दिलवाई गई है, किन्तु श्री सिंह वसूली कार्य के प्रति उदासीन रहे। परियोजना अधिकारी डूडा जौनपुर अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि यशवीर सिंह स्थानीय होने के कारण जब मन करता है, ये आफिस चले आते हैं और जब मन करता है बिना बताये आवास पर चले जाते हैं, और जब जी करता है, बिना बताये फील्ड में चले जाते हैं। श्री सिंह अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाह, मनमाना कार्यशैली के आदी हो चुके हैं। इन्हें बार–बार निर्देशित किये जाने के बावजूद इनके द्वारा विभिन्न स्तरों से प्राप्त होने वाले परिवादों एवं जन सूचना अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त होने वाले पत्रों का निस्तारण कार्य लंबित रखते है तथा इनके द्वारा आवास के लाभार्थियों से प्राप्त होने वाली पत्रावलियों के पूर्णता का परीक्षण एवं उनका रख–रखाव सही ढंग से नही किया जा रहा है। श्री सिंह कन्सलटेन्ट एजेन्सी के जे0ई0 एवं सर्वेयरों के ऊपर दबाव बनाकर उनसे पैसे वसूल करते हैं और जो जे0ई0, सर्वेयर पैसे देने में आनाकानी करता है, उसका जियोटैग येन केन प्रकारेण रिजेक्ट कर दिया जाता है। परियोजना अधिकारी डूडा जौनपुर अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश पर डूडा के सी0एल0टी0सी0 यशवीर सिंह एवं तत्कालीन एम0आई0एस0 आमिर खान के विरूद्ध थान लाइन बाजार में आपराधिक षड्यंत्र एवं वित्तीय अनियमिता के आरोप में एफ0आई0आर0 दर्ज कराया गया है।

## सरकार के मंसूबों पर पानी फेर रहे खनन माफिया

सीतापुर ब्यूरो अजय कुमार सिंह : लहरपुर तहसील क्षेत्र के ब्लॉक बेहटा की ग्राम सभा रिहार में सरकार के मंसूबों पर पानी फेर रहे हैं खनन माफिया आपको बताते चलें राम रूप सिंह पुत्र छोटेकऊ ग्राम सभा सुल्तानापुर के रिंहार में अवैध खनन का कार्य जोरों पर चला रहे है बीते दिनों में एसडीएम लहरपुर के द्वारा दो ट्रैक्टर ट्राली को तंबौर पुलिस के द्वारा सीज कर दिया गया था लेकिन खनन का काम रुकने का नाम नहीं ले रहा है राम रूप सिंह लेबरो के द्वारा ट्रैक्टर ट्राली से खनन

करा रहे हैं जबकि सरकार का आदेश 1 फीट सरकारी आदेसो के द्वारा खनन किया जा सकता है लेकिन वह अपनी दबंगई के बल पर लगभग दो से तीन फुट की गहराई से मिट्टी खुदवा रहे हैं पास पड़ोस के खेतों में लगे पेड़ों को ढहने का खतरा बन गया है पड़ोसियों का कहना है खेत की पैमाइश कराने के बाद ही खेत से मिट्टी निकाली जाए लेकिन वह तैयार नहीं है सरकार के मंसूबों पर दबंगई दिखाते हुए धमकी देते हैं की योगी सरकार के मुख्य सचिव हमारे रिलेटिव हैं वर्तमान समय में लगभग 2 से 3 फीट खुदाई हो चुकी है और कार्य प्रगति पर चल रहा है देखना है प्रशासन इसमें क्या कार्यवाही करेगा!

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

मुस्कान से समस्या सुलझ सकती है लेकिन मौन से समस्या को आनें से रोक सकते हैं।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

## सम्पादकीय

### सैन्य आधुनिकीकरण का अग्निपथ :चार साल की अवधि और भविष्य की संभावनाएं

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफएस) या राज्य पुलिस बल समेत किसी भी अन्य सरकारी सेवा से इसकी तुलना कीजिए। इन नौकरियों में राष्ट्रीय पेंशन योजना के तहत उन्हें पेंशन मिलती है, साठ साल तक उनकी नौकरी सुरक्षित रहती है और सशस्त्र बलों की तुलना में उनका जीवन आसान होता है।

केंद्र सरकार ने हाल ही में चार साल की अवधि के लिए लगभग 45–50,000 युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल करने की योजना अग्निपथ शुरू करने की घोषणा की है। इन सैनिकों को अग्निवीर कहा जाएगा। यह प्रधानमंत्री कार्यालय की परिकल्पना है और उसी के माध्यम से इसे आगे बढ़ाया जा रहा है। चार साल की सेवा अवधि ा खत्म होने के बाद अग्निवीरों को एकमुश्त करीब 12 लाख रुपये मिलेंगे, जिसके लिए उन्हें और सरकार, दोनों को बराबर अंशदान करना पड़ेगा। इसे कर मुक्त बताया गया है। इनमें से 25 फीसदी जवानों को फिर से स्थायी आधार पर सेना में नियुक्ति मिलेगी।

उनकी पिछली सेवा की गिनती नहीं होगी और वे नए सिरे से काम शुरू करेंगे। मौजूदा भर्ती प्रणाली को अग्निपथ में बदलने के पीछे मुख्य मंशा पेंशन और वेतन खर्च को कम करना है, जिसने रक्षा आधुनिकीकरण को प्रभावित किया है। इस योजना के तहत भविष्य में होने वाली सभी भर्तियां वर्तमान मानदंड के विपरीत मात्र चार साल के लिए होंगी। इसे शुरू करने के पीछे एक और कारण बताया गया है कि जो लोग अल्प अवधि के लिए सेना में भर्ती होने के इच्छुक हैं, उन्हें मौका देना है।

यह पूरी तरह से सच नहीं हो सकता, क्योंकि जवानों के रूप में शामिल होने के इच्छुक लोग पेंशन के साथ सुरक्षित जीवन चाहते हैं। जैसा कि रक्षा राज्यमंत्री ने बताया, इस योजना से सशस्त्र बलों की औसत आयु घट जाएगी। यह सच है, क्योंकि यह योजना अगले छह वर्षों में औसत आयु को 32 से घटाकर 26 कर देगी। सरकार द्वारा शुरू की जाने वाली किसी भी नई योजना की अपनी खूबियां और खामियां होती हैं। निर्धारित उद्देश्यों को पूरा करने के अलावा जो लाभ होते हैं, उनमें अनुशासित युवाओं का एक अतिरिक्त पूल निर्माण शामिल है, जिन्हें आपात स्थिति में सेना में शामिल होने के लिए बुलाया जा सकता है।

ऐसा माना गया है कि अल्पावधि के लिए शामिल होने वाले व्यक्ति प्रभावी सैनिक नहीं हो सकते, पर यह पूरी तरह से गलत हो सकता है। अग्निवीर के रूप में शामिल होने वाले स्वयंसेवक होंगे, न कि प्रतिनियुक्त सैनिक, जैसा कि चीन या रूस और किसी अन्य देश के समर्पित सैनिक होते हैं। निस्संदेह वे पहले से सेवा में लगे लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ेंगे। इस योजना की एक बड़ी खामी अल्पकालिक सेवा अवधि है, जिसके बाद युवाओं को फिर से असुरक्षा का सामना करना पड़ेगा।

चार साल के नियमित, संरक्षित जीवन अनुभव के बाद उन्हें फिर से रोजगार के लिए धक्के खाने को छोड़ दिया जाएगा। इस दौरान विकसित हुई उनकी मान्यताएं, धारणाएं और इच्छाएं धराशायी हो जाएंगी। यह डर सेवा के दौरान उन्हें परेशान करेगा, जो उनके कामकाज पर नकारात्मक असर डालेगा। सरकार की ओर से उन्हें जो राशि दी जाएगी, उस पर वे कब तक गुजारा करेंगे? उनके पास एक ही चीज बची रहेगी और वह है सपना, तथा जिन लोगों के साथ वे काम करेंगे, उनसे संपर्क।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफएस) या राज्य पुलिस बल समेत किसी भी अन्य सरकारी सेवा से इसकी तुलना कीजिए। इन नौकरियों में राष्ट्रीय पेंशन योजना के तहत उन्हें पेंशन मिलती है, साठ साल तक उनकी नौकरी सुरक्षित रहती है और सशस्त्र बलों की तुलना में उनका जीवन आसान होता है। ऐसे में सभी युवाओं की पहली पसंद सशस्त्र बल की तुलना में कोई अन्य संगठन होगा। जाहिर है, जो लोग हर जगह से खारिज कर दिए जाएंगे और रोजगार के लिए परेशान होंगे, केवल वही चार साल की इस जोखिम भरी नौकरी के लिए कोशिश करेंगे।

अन्य खामियों में मुख्य रूप से तकनीकी संवर्ग के लिए प्रशिक्षण में कमी शामिल है। कुशल क्षेत्रों में बुनियादी प्रशिक्षण के बाद लंबे समय तक काम करते हुए प्रशिक्षण दिया जाता है। कार्य में महारत हासिल करने में वर्षों लग जाते हैं। चार साल के अंत में जब जवान उपकरणों की बारीकियों को भी ठीक से नहीं समझे होंगे, उन्हें सेवा से बाहर होने के लिए तैयार रहना पड़ेगा। संगठन के लिए यह नुकसान चिरस्थायी होगा और यह उपकरणों की युद्ध क्षमता को प्रभावित करेगा। अब तक पूरी पेंशन योग्य सेवा के लिए अकेले सेना सालाना 50,000 से अधिक की भर्ती करती थी।

वर्तमान योजना के तहत, तीनों सेवाओं को मिलाकर चार साल की अवधि के लिए लगभग 40–45,000 जवानों की भर्ती की जाएगी। स्थायी भर्ती समाप्त हो गई है। गेम चेंजर का दावा करने वाला यह पैटर्न निराशाजनक साबित हुआ है। इसके खिलाफ बिहार समेत अनेक राज्यों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है, जो और भी फैलेगा। केंद्रीय गृहमंत्री ने घोषणा की है कि अग्निवीरों को सीएपीएफएस भर्ती में प्राथमिकता दी जाएगी। लेकिन प्राथमिकता नौकरी की गारंटी नहीं होती।

उन्हें पुनः रोजगार उपलब्ध कराने के लिए मंत्रालय एवं मुख्यालय द्वारा किए जा रहे मदद के वादे सिर्फ वादे ही रह जाएंगे। मजबूर होकर युवा खुद को इससे दूर रखेंगे। यदि योजना का वास्तव में लाभ होता और सरकार को विश्वास था कि यह सफल होगी, तो उसे एक पायलट परियोजना शुरू करनी चाहिए थी, इसके परिणाम प्रदर्शित किए जाने चाहिए थे और इसे पूरे दिल से लागू किया जाना चाहिए था। संभवतः हर क्षेत्र में विफलता और तार्किक आलोचना का भय था, जिसके चलते सरकार ने आधी–अधूरी जानकारी सार्वजनिक करते हुए इसे हर स्तर पर आगे बढ़ाने की कोशिश की है।

यह योजना सरकारी खर्च को कम करके बलों को लाभ पहुंचा सकती है, पर यह सेना में शामिल होने के इच्छुक लोगों के खिलाफ होगी। हमें खुद से पूछना चाहिए कि क्या हम युवाओं को चार साल तक सेना से जोड़कर, जो उनके जीवन के सर्वश्रेष्ठ समय होंगे, उनका शोषण कर, उन्हें रोजगार देने का वादा पूरा न कर, और अंततः उन्हें उनके हाल पर छोड़कर, अच्छा करेंगे। फैसला तो सरकार को ही करना है।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

## निषाद पार्टी द्वारा आयोजित महिला मोर्चा प्रदेश कमेटी की बैठक संपन्न

मृत्युन्जय प्रताप सिंहः लखनऊः निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय कैबिनेट मंत्री मत्स्य विभाग डॉ संजय कुमार निषाद ने लखनऊ के सहकारिता भवन में आयोजित निषाद पार्टी के महिला मोर्चा प्रदेश कमेटी की बैठक में हिस्सा लिया और पार्टी के विचारधारा और रणनीति को पूरे प्रदेश में विस्तारित करने का निर्देश दिया। महिला मोर्चा के इस बैठक में निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व माननीय कैबिनेट मंत्री डॉ संजय कुमार निषाद जी ने कहा कि आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की अगुवाई में डबल इंजन की सरकार महिलाओं के समृद्धि और सुरक्षा को लेकर लगातार अच्छे अच्छे योजनाएं लेकर आ रही है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार महिला सशक्तिकरण को लेकर प्रतिबद्ध है। इससे पहले की सरकारों ने महिलाओं को वो आजादी नहीं दे पाई थी जो आज मोदी और योगी जी दे रखा है। साथ ही निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और किसी भी पार्टी में महिलाओं की भागीदारी ही पार्टी को सशक्त करता है। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इससे पहले मैंने महिलाओं को इलाज के लिए जूझते देखा है अपने बच्चों के इलाज के लिए भटकते देखा है लेकिन आज भारत सरकार के आयुष्मान योजना के तहत गरीब महिलाओं को फ्री में इलाज कराते देख रहा हु। पहले की सरकार गरीब महिलाओं को भूखे मार देती थी

लेकिन 2014 के बाद माननीय प्रधानमंत्री जी ने महिलाओं के नाम पर राशन कार्ड देकर उनको घर का मुखिया बनाया और समाज में एक सम्मान दिया। डॉ संजय निषाद जी ने आगे बताया कि वह समाज के महिलाओं के सम्मान और उनका हक दिलाने के लिए तैयार है और हमेशा रहेंगे। माननीय मत्स्य कैबिनेट मंत्री डॉ संजय कुमार निषाद जी कहा की माननीय प्रधानमंत्री और माननीय मुख्यमंत्री ने मछुआ समाज के लिए मुफ्त में 5 लाख का बीमा देने का काम किया है। आज मत्स्य मंत्रालय ने फैसला किया है की महिलाओं को मत्स्य पालन में 60: का सब्सिडी दे रही है इसका फायदा आप सभी को अधिक से अधिक उठाना चाहिए।

## जुमे की नमाज से पहले ड्रोन से निगरानी, पुलिस का पैदल मार्च : शांति–व्यवस्था हेतु धर्म–गुरुओं से संवाद की सलाह

लखनऊ ब्यूरो : प्रदेश में शुक्रवार को जुमे की नमाज को देखते हुए शांति व्यवस्था हर हाल में बनाए रखने और गड़बड़ी करने वालों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए संवेदनशील स्थानों पर वरिष्ठ अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जा रही है। सभी जिलों में पुलिस द्वारा फुट पेट्रोलिंग व अर्द्ध सैनिक बलों द्वारा फ्लैग मार्च किए जाने के भी निर्देश दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी और कार्यवाहक डीजीपी देवेंद्र सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को जिलों के अफसरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर प्रदेश में अमन चौन बहाल रखने के निर्देश दिए। अवस्थी ने बताया कि अधिकारियों से कहा गया है कि किसी तरह की लापरवाही पाए जाने पर शासन स्तर पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों से कहा गया है कि प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी प्रदेश भर में सभी प्रमुख धर्म गुरुओं से संवाद कर शांति व्यवस्था बनाये रखने में उनका सहयोग लें। थाना स्तर पर पीस कमेटी की बैठकें भी की गई हैं। सिविल डिफेंस के कर्मियों को भी शांति–व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अवस्थी ने बताया कि सभी संवेदनशील स्थलों पर सीसीटीवी, वीडियो कैमरे व ड्रोन से निगरानी की जाएगी। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा सेक्टर योजना को भी लागू किया गया है। अपर मुख्य सचिव गृह ने बताया कि प्रदेश भर में कड़ी सतर्कता बरतने और किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से कड़ाई से निपटने के निर्देश दिए गए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों से भी कहा गया है कि वह खुद संवेदनशील स्थानों का भ्रमण करें और यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी शांति व्यवस्था भंग न होने पाए। ड्रोन से खोजकर छतों पर रखे ईंट–पत्थर हटवाए बृहस्पतिवार को सरायमीर कस्बे में एसडीएम निजामाबाद रवि कुमार के नेतृत्व में ड्रोन की मदद से छतों पर रखे ईंट–पत्थर की निगरानी की गई। जहां कहीं भी छतों पर ईंट–पत्थर रखे देखे गए, उसे तत्काल हटवाने का निर्देश दिया गया। एसडीएम के नेतृत्व में सुबह सात बजे से 10 बजे तक ड्रोन कैमरे के जरिए कस्बे व आसपास के मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में निगरानी की गई। इस दौरान ड्रोन कैमरा द्वारा ली गई तस्वीर में कई घरों की छतों पर ईंट–पत्थर की लोकेशन मिली जिसके आधार पर एसडीएम रवि कुमार, ईओ रंग बहादुर सिंह, थानाध्यक्ष विवेक कुमार पांडेय पुलिस बल एवं सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ उन घरों पर जा ध ामके और गृह स्वामियों को तत्काल छतों से ईंट–पत्थर हटवाने का निर्देश दिया। एसडीएम के निर्देश पर तत्कल गृहस्वामियों ने छतों पर रखे ईंट–पत्थर को हटवाया। एसओ विवेक कुमार पांडेय ने कस्बेवासियों से कहा कि किसी की छत पर कोई भी ईंट–पत्थर नहीं होना चाहिए। दोबारा ड्रोन कैमरा चलने पर अगर कहीं किसी के घर की छत पर ईंट–पत्थर पाया गया, तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ड्रोन से निगरानी, अटाला बना छावनी प्रयागराज के अटाला में पिछले हफ्ते हुए बवाल को देखते हुए इस बार व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। अटाला समेत खुल्दाबाद व करेली सहित आसपास के इलाकों में ड्रोन से निगरानी शुरू कर दी गई है। उधर सुरक्षा की दृष्टि से पूरे क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर

दिया गया है। 10 हजार जवान पूरे क्षेत्र में तैनात किए गए हैं। इनमें पुलिस के साथ ही आरएएफ, पीएसी के जवानों को भी मुस्तैद किया गया है। आला अफसर बृहस्पतिवार को दिन भर पूरे क्षेत्र का भ्रमण करते रहे। उधर शाम को फोर्स ने करीब दो घंटे तक पूरे इलाके में फ्लैग मार्च किया। पांच गुना ज्यादा फोर्स की तैनाती पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस बार लगभग पांच गुना ज्यादा फोर्स की तैनाती की गई है। हालांकि इस बारे में अफसर कुछ स्पष्ट बोलने को तैयार नहीं हुए। लेकिन उनका कहना है कि पिछले जुमे के मुकाबले इस बार कई गुना ज्यादा फोर्स तैनात की गई है। उधर सूत्रों का कहना है कि पिछली बार पीएसी के 500, आरएएफ के 200, जिला पुलिस के 1000 और 300 होमगार्डों समेत करीब दो हजार जवानों को लगाया गया था। लेकिन इस बार 10 हजार से ज्यादा जवानों को सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया है। 200 अतिरिक्त कैमरे, 24 घंटे निगरानी पुलिस अफसरों का कहना है कि अटाला और आसपास के इलाकों की सतत निगरानी के लिए सर्विलांस सिस्टम को और मजबूत किया गया है। इसके तहत संवेदनशील स्थानों पर 200 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन सभी कैमरों को पहले से ही लगे सर्विलांस कैमरों की तरह ही इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर(आईट्रिपलसी)से कनेक्ट किया गया है। कैमरों से मिलने वाली लाइव फीड की 24 घंटे निगरानी की जा रही है। इसके लिए आईट्रिपलसी में तीन शिफ्टों में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। चार ड्रोन कैमरों से छतों पर भी निगरानी जवानों की तैनाती व सर्विलांस सिस्टम को पुख्ता करने के क्रम में ही एक दिन पहले से ही पूरे क्षेत्र की ड्रोन कैमरों से निगरानी शुरू कर दी गई है। पुलिस अफसरों ने बताया कि अटाला, नूरुल्लाह रोड समेत आसपास के इलाकों पर नजर रखने के लिए कुल चार ड्रोन कैमरों की व्यवस्था की गई है। इनसे मिलने वाली फीड की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। संदिग्ध गतिविधि दिखने पर रिकॉर्डिंग भी सुरक्षित रखी जा रही है। सुरक्षा संबंधी सभी प्रबंध कर लिए गए हैं। मैं और आलाधिकारी लगातार क्षेत्र पर नजर बनाए हुए हैं। सभी से अपील है कि शांति और सौहार्द्र का माहौल कायम रखें। कहीं भी कोई माहौल बिगाड़ने की कोशिश करेगा तो सख्ती से निपटा जाएगा। उपद्रवियों से निपटने को मंगाए गए मल्टीसेल लांचर प्रयागराज में जुमे पर अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए इस बार सुरक्षा दस्तों की ओर से विशेष इंतजाम किए गए हैं। उपद्रवियों से निपटने के लिए अत्याधुनिक असलहों के साथ ही इस बार पुलिस व आरएएफ के जवानों को मल्टीसेल लांचर दिए गए हैं। इसकी विशेषता यह है कि इससे एक बार में रबर बुलेट, आंसू गैस के छह गोले दागे जा सकते हैं। अफसरों का कहना है कि अप्रिय स्थिति में यह उपद्रवियों को नियंत्रित करने में बेहद कारगर होगी। पिछली बार मल्टीसेल लांचर न होने की वजह से जवानों को उपद्रवियों पर लगाम पाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। आरएएफ व पुलिस के कई जवान मौकेपर इस दिक्कत को अफसरों से बयां करते भी देखे व सुने गए थे। दरअसल उपद्रवियों की संख्या बढ़ने के साथ ही कई बार ऐसी स्थिति देखने को मिली थी जब पत्थरबाज हमला करते हुए पुलिस को पीछे धकेल दे रहे थे। इस दौरान उन्हें नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गए लेकिन लगातार फायर की सुविधा न होने केचलते उपद्रवियों को नियंत्रित करने में दिक्कत हुई। इसी को देखते हुए इस बार विशेष रूप से मल्टीसेल लांचर मंगवाया गया है। इससे एक बार में मल्टी फायर दागने की सुविधा मिलेगी। जिससे उपद्रव की स्थिति में बलवाइयों पर नियंत्रण पाना आसान होगा।

## सक्षम काशी मनोशान्ति और बीकाइंड इंडिया द्वारा दिव्यांगजनों हेतु की जा रही निःस्वार्थ सेवा ही असली सेवा है – महापौर

आर एल पांडेय वाराणसी. 'सात दिवसीय ''दिव्यांग उत्थान शिविर''' का शुभारंभ करते हुए काशी की महापौर श्रीमती मृदुला जायसवाल ने अपने भावपूर्ण उदबोधन में कहा कि दिव्यांगजनों के स्वावलम्बन हेतु ''मनोशान्ति सक्षम काशी, और बीकाइंड इंडिया'' द्वारा की जा रही निःस्वार्थ सेवा ही असल में सच्ची सेवा है । उक्त कार्य हेतु उन्होनें अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। विशिष्ट अतिथि के तौर डॉ राकेश सिंह ने मानसिक स्वास्थ्य बहुत जरूरी इसके लिए मनोशान्ति सेंटर फॉर मेंटल हेल्थकेयर का कार्य बहुत ही सराहनीय है। काशी प्रान्त के अध्यक्ष डॉ कुलदीप सिंह के द्वारा तीनो संस्थानों'' के कार्यों का विवरण प्रस्तुत किये जाने के पश्चात महापौर ने सराहना करते हुए उक्त बातें कहीं । संचालन कर रहे उपाध्यक्ष नारायण सिंह व महिला प्रमुख व क्लीनिकल सायकोलोजिस्ट डॉ

शिवांगी श्रीवास्तव ने बी–काइंड व मनोशान्ति सेन्टर फॉर मेन्टल हेल्थकेयर के सहयोग से सात दिवसीय शिवर के द्वारा दिव्यांगजनों के शारीरिक, मानसिक व आर्थिक स्वावलंबन के लिए सहयोग किया गया।

## मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा राना ने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा राना द्वारा आज जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय वी0के0 दुबे, जिला विद्यालय निरीक्षक अपने कार्यालय स्टाफ सहित उपस्थित थे। सर्व प्रथम मुख्य विकास अधिकारी द्वारा उपस्थित पंजिका का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय वरिष्ठ सहायक प्रदीप कुमार, आदित्य दीक्षित, प्रमोद कुमार दुबे एवं वरिष्ठ सहायक सुशील कुमार अनुपस्थित पाये गये। बाद में वरिष्ठ सहायक आदित्य दीक्षित एवं प्रदीप कुमार उपस्थित हो गये। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा उक्त दोनों कर्मचारियों को कठोर चेतावनी निर्गत करने के निर्देश जिला विद्यालय निरीक्षक को दिये गये। प्रमोद कुमार दुबे कोर्ट केस में जाना बताया गया तथा वरिष्ठ लिपिक सुशील कुमार, दिनांक 16 एवं 17 जून 2022 को अवैध रूप से अनुपस्थित होने के कारण उनका वेतन रोकते हुए नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश डी0आई0ओ0एस0 को दिये गये। इसके साथ ही मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कर्मचारीवार उनके पटलों पर आबंटित कार्यो के सापेक्ष प्रगति जानकारी ली गयी तथा राजकीय एवं एडेड विद्यालयों में तैनात अध्यापकों के सेवा संबंधी प्रकरणों के निस्तारण की जानकारी ली

गयी। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि 225 राजकीय विद्यालयों में तथा 1600 एडेड विद्यालयों में शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी तैनात हैं। नवीन पेंशन स्कीम के लागू होने के बाद तैनात कर्मचारियों की एन0पी0एस0 कटौती, पुराने कर्मचारियों की जी0पी0एफ0 कटौती एवं भुगतान की जानकारी ली गयी तथा समयबद्ध प्रकरणों के निस्तारण के निर्देश दिये गये। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में अवस्थित विभिन्न कक्षों का निरीक्षण किया गया तथा स्टोर रूम एवं स्टोर रूम के पास बने हाल में बेतरतीव ढंग से रखे गये अभिलेखों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए एक सप्ताह में सुव्यवस्थित कराकर अनुपालन से अवगत कराने के निर्देश जिला विद्यायल निरीक्षक वी0के0 दुबे को दिये गये।

## किसान भाइयों झांसी में नहीं हो सकती मिट्टी की जांच : लैब में केमिकल ही नहीं

झांसी ब्यूरो : अगर किसान अपने खेत की मिट्टी की सेहत की जांच कराना चाहें तो कहां कराएं। झांसी में मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में दो साल से केमिकल ही नहीं है। इस केमिकल के बिना जांच की नहीं जा सकती। विभाग का कहना है कि वह लगातार मुख्यालय को लिखकर केमिकल की मांग कर रहे हैं। बताया जाता है कि झांसी की लैब में ही नहीं बल्कि प्रदेश की कई प्रयोगशालाएं केमिकल की कमी के कारण बंद पड़ी हैं। झांसी में ही तीन लाख किसान परेशान हैं। कृषि वैज्ञानिक कहते हैं कि किसानों को फसल की बुवाई से पहले मिट्टी की जांच जरूर करानी चाहिए। जांच से पता चल जाता है कि मिट्टी में कौन से पोषक तत्व कम हैं। उस पोषक तत्व की पूर्ति के लिए क्या किया जाए। लेकिन पिछले दो साल से किसान बगैर मिट्टी की जांच कराए ही फसल की बुवाई कर रहे हैं। कृषि अधिकारी भी किसानों को मिट्टी की जांच के लिए जागरूक तो करते हैं लेकिन यह नहीं बता पा रहे कि मिट्टी की जांच वह कहां कराएं। अच्छी पैदावार के लिए मिट्टी में इन तत्वों का होना जरूरी नाइट्रोजन 280 किग्राहेक्टेयर होना चाहिए लेकिन 100 से 150 कि ग्रा/हेक्टेयर है, वहीं, गंधक 15.0 पीपीएम होना चाहिए लेकिन 10 पीपीएम है। इसके साथ ही बोरान 0.5 पीपीएम होना चाहिए जो 0.5 पीपीएम पाई जा रही है। वहीं, मिट्टी में पीएच मान, फॉस्फेट, पोटाश, जस्ता, लोहा, मैग्नीज, तांबा आदि की उपलब्धता होना भी जरूरी है। इनकी होती है जांच में आवश्यकता पोटेशियम, अमोनिया, सल्फेट, फेरस, अमोनियम एसीट्रेट चारकोल पाउडर, डाईक्रोमेट समेत 150 केमिकल की आवश्यकता पड़ती है। तीन साल में हुई 20 हजार से ज्यादा जांच के मिकल की कमी के कारण दो साल में 110 जांच ही हुई हैं, जो भी केमिकल बचा था। उससे जांचें कर दी गई थीं। दो साल पहले जब लक्ष्य मिला था तो घर–घर जाकर लगभग 20 हजार से ज्यादा किसानों के खेतों की मिट्टी की जांच की थी। केमिकल की कमी के कारण पिछले दो साल से मिट्टी जांच का कोई लक्ष्य भी नहीं आ रहा है। केमिकल का टोटा है। इसके लिए लिखा जा रहा है। थोड़ा सा केमिकल था जिससे कुछ जांच हो जाती हैं। वह भी बहुत कम। संजीव कुमार सिंह, सहायक निदेशक, भूमि परीक्षण प्रयोगशाला मिट्टी की जांच कराने से किसानों को पता चल जाता है कि मिट्टी में किस पोषक तत्व की कमी है। इसलिए किसानों को मिट्टी की जांच जरूर करवाना चाहिए। उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए जैविक खाद का प्रयोग करना चाहिए।

– विवेक कुमार जिला कृषि रक्षा अधिकारी

## निजी कंपनियों के पेट्रोल पंपों से 75 फीसदी तक घट गई तेल की आपूर्ति

झांसी ब्यूरो : तेल की बिक्री में हो रहे नुकसान की वजह से निजी कंपनियों के पेट्रोल पंपों से 75 फीसदी तक तेल की आपूर्ति घट गई है। पंप संचालकों का कहना है कि यदि यही हालात रहे तो जनपद में सरकारी कंपनियों के पेट्रोल पंप भी ड्राई हो सकते हैं, क्योंकि डीजल की बिक्री में 18 और पेट्रोल में 15 रुपये प्रति लीटर नुकसान हो रहा है। इन दिनों क्रूड ऑयल के दाम आसमान छू रहे हैं। जबकि, पंपों पर उससे कहीं कम कीमतों पर पेट्रोल–डीजल की बिक्री हो रही है। ऐसे में मध्य प्रदेश और राजस्थान में पेट्रोल पंपों में आपूर्ति की समस्या आ गई है। झांसी पेट्रोल पंप एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव बब्बर ने बताया कि फिलहाल ये स्थिति झांसी में नहीं बनी है। कंपनियों को पेट्रोल, डीजल की बिक्री में फायदा तो दूर प्रतिलीटर 15 से 18 रुपये का नुकसान हो रहा है। पिछले दो महीनों में डीजल–पेट्रोल की बिक्री करने पर इंडियन ऑयल को 13000 करोड़, बीपीसीएल को आठ हजार करोड़ और एचपीसीएल को सात हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। उन्होंने कहा कि प्राइवेट कंपनियां ये नुकसान नहीं झेल पा रही हैं। ऐसे में झांसी में निजी कंपनियों के पेट्रोल पंपों पर 50 से लेकर 75 फीसदी तक तेल की आपूर्ति घट गई है। वहीं, पंप संचालकों का कहना है कि अभी सरकारी कंपनियों के पेट्रोल पंपों में ड्राई होने की स्थिति नहीं बनी है। मगर ऐसे ही हालात रहे तो भविष्य में आपूर्ति की समस्या खड़ी हो सकती है। अब एडवांस पैसा जमा करने पर मिल रहा तेल झांसी पेट्रोल पंप एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राहुल रिछारिया ने बताया कि पहले कंपनियों को तेल की मांग सुबह भेज दी जाती थी और पेट्रोल–डीजल आने के बाद शाम को भुगतान होता था। मगर अब कंपनियां एडवांस पेमेंट लेने लगी हैं और अगले दिन तेल भेज रही हैं।

## एस0पी0 सिटी जौनपुर द्वारा पुलिस लाइन सभागार में साइबर अपराधों से बचाव के सम्बन्ध में किया गया जागरुक

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवासतव : आज दिनांक 16 . 06.2022 को पुलिस लाइन सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर, डां संजय कुमार द्वारा व्यापारियों/उद्यमियों/फाइनेंस कर्मियों/बैंक कर्मियों के साथ साइबर क्राइम जागरुकता के सम्बन्ध में गोष्ठी की गयी तथा साइबर क्राइम से बचाव हेतु साइबर सेल के आरक्षी ओम प्रकाश जायसवाल द्वारा जागरुक किया गया एवं आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। एस0पी0 सिटी जौनपुर द्वारा बताया गया कि वर्तमान समय में इंटरनेट की दुनिया में हर व्यक्ति कंप्यूटर और मोबाइल से जुड़ा है। उसकी जॉब शिक्षा व वित्तीय लेनदेन मोबाइल और कंप्यूटर तकनीकी संसाधनों से जुड़े हुए हैं। आए दिन साइबर क्राइम में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। कई बार लोग अनजाने में साइबर क्राइम कर बैठते हैं या इसका शिकार हो जाते हैं। अगर हम इसके प्रति जागरूक होंगे तो निश्चित ही से बचा जा सकता है । साइबर क्राइम से बचाव के लिए जागरुकता ही सबसे बड़ा हथियार है। लोगों की थोड़ी सी लापरवाही साइबर क्राइम को बढ़ावा देती है। किसी भी कंपनी का कांटेक्ट नंबर गूगल से सर्च ना करें गूगल पर साइबर अपराधियों द्वारा अपना नंबर डाल रखा गया है, धोखाधड़ी की पूरी संभावना है। इसके साथ ही लोगों को जागरुक करते हुए एस0पी0 सिटी जौनपुर द्वारा निम्न सुझाव/निर्देश भी दिए गए। 1. किसी भी प्रकार के फॉरवर्ड मैसेज को शेयर करने तथा पोस्ट करने से बचने की सलाह दी गयी। 2. किसी भी प्रकार की धार्मिक टिप्पणी सोशल मीडिया पर ना करें। 3. अफवाह फैलाने वाले कंटेंट को शेयर ना करें।

## पुलिस ने फ्लैगमार्च निकाला और शांति बनाए रखने की किया अपील

शाहगंज/जौनपुर पत्रकार – धनन्जय विश्वकर्मा : शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से वृहस्पतिवार को सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के मल्हनी बाजार व लालदरवाजा में फ्लैग मार्च निकाला। क्षेत्राधिकारी जौनपुर रणविजय सिंह व थाना प्रभारी अवनीश कुमार राय के नेतृत्व मे मल्हनी बाजार व लालदरवाजा

में फ्लैग मार्च सम्पन्न हुआ। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील कीया। कि किसी भी प्रकार की अशांति फैलाने व कोई अनैतिक कार्य करने का प्रयास न करें। शांति बनाए रखें, अगर कोई अप्रिय स्थित सामने आती है। तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। संबंधी आरोपियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी रणविजय सिंह थाना प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार राय, उप निरीक्षक शिव प्रसाद वर्मा और अनिल सिंह, अनुज, पुलिस फोर्स के साथ में फ्लैग मार्च संपन्न हुआ।

## थाना महराजगंज पुलिस द्वारा एक वांछित गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियों के आपराधिक कार्य की रोकथाम एवं गिरफ्तारी, बरामदगी तथा अनावरण हेतु शेष अभियोगो के अनावरण के अभियान के क्रम में श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण तथा श्रीमान क्षेत्राधिकारी बदलापुर के कुशल पर्यवेक्षण, निर्देशन मे थानाध्यक्ष संतोष कुमार शुक्ल थाना महराजगंज के नेतृत्व में मु0अ0सं0 06/22 धारा 436 भा0द0वि0 थाना महराजगंज जनपद जौनपुर से सम्बन्धित वाँछित बृजेश सिंह पुत्र जयप्रकाश सिंह निवासी बेदौली थाना महराजगंज जनपद जौनपुर उम्र 25 वर्ष, को उसके घर बेदौली से दिनांक 16.06.22 समय 6.32 बजे गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना किया गया । आपराधिक इतिहास– 1. मु0अ0सं0 06/22 धारा 436 भा0द0वि0। 2. मु0अ0सं0–30/22 धारा 323/504/506 भा0द0वि0 गिरफ्तार वाँछित का नाम पता– 1.बृजेश सिंह पुत्र जयप्रकाश सिंह निवासी बेदौली थाना महराजगंज जनपद जौनपुर उम्र 25 वर्ष। गिरफ्तारी टीम –1. उ0नि0 संतोष कुमार शुक्ल –थानाध्यक्ष थाना महराजगंज जनपद जौनपुर। 2. उ0नि0 श्री हरीश चन्द्र सिंह – चौकी प्रभारी ए.बी.एस. महराजगंज जौनपुर। 3. का0 हरेन्द्र कुमार– थाना महराजगंज जनपद जौनपुर। 4. का0 गोविन्दा चौहान – थाना महराजगंज जनपद जौनपुर।

## जौनपुर कॉग्रेसियो ने कलेक्ट्री परिसर में किया विरोध प्रदर्शन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवासतव : अपने नेता श्री राहुल गाँधी जी को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा फर्जी तरीके से प्रताड़ित करने के विरोध में जिला कांग्रेस एवं शहर के अध्यक्ष ने सैकड़ो कार्यकर्ताओ सहित जमकर योगी मोदी सरकार के विरुद्ध की नारेबाजी किया कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष श्री राहुल गाँधी जी को वर्तमान भाजपा सरकार के इशारे पर ई डी द्वारा विगत कई दिनों से लगातार निराधार और मनगढंत नेशनल हेराल्ड मामले में तलब किया जा रहा है! भाजपा द्वारा बिना किसी सबूत और तथ्यों के राजनीतिक प्रतिशोध लेने के लिए ई डी का दुरुपयोग किया जा रहा है! पुलिस द्वारा असंवैधानिक तरीके से कांग्रेस मुख्यालय की किलेबंदी कर दी गई है! वरिष्ठ नेताओ और पदाधिकारिओं को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है! कई वरिष्ठ नेता कई प्रदेशो के वर्तमान एवं पूर्व मुख्यमंत्रीओ को घरो में नजरबन्द कर दिया गया है ! नेताओ और कार्यकर्ताओ को बेरहमी से मार पीटकर दूर दराज के थानों में बंद कर दिया गया है! भाजपा सरकार शांतिपूर्ण प्रदर्शनों और एकजुटता को कुचलने के लिए पुलिस बल का प्रयोग कर रही है ! इन सभी मुद्दों को लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष फैसल हसन तबरेज और शहर अध्यक्ष एड विशाल सिंह हुकुम द्वारा सैकड़ो कार्यकर्ताओ एवं पदाधिकारीओ के साथ कलेक्टरी स्थित जिलाधिकारी कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया और भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा महामहिम राज्यपाल महोदय को सम्बोधित ज्ञापन सौपा ! इस अवसर पर प्रदेश महसचिव ध र्मेन्द्र निषाद परवेज हसन शशांक राय रविन्द्र मिश्रा राकेश उपाध याय अनिल सोनकर राजीव सिंह कमला तिवारी रमेश पाल राम सिंह पटेल बाल कृष्ण शुक्ला लालता चौधरी राकेश सिंह डब्बू आजम जैदी सुरेन्द्र त्रिपाठी अजय सोनकर विकास तिवारी रेखा सिंह विनय शुक्ला मदन मिश्रा सन्तोष गिरी राज कुमार निषाद अमन सिन्हा आदिल विजय यादव देव राज पाण्डेय गौरव मौर्या अतीक अहमद राज कुमार गुप्ता सचिन चौरसिया जय प्रकाश आदि लोग उपस्थित रहे।

## योग के साथ दिनचर्या को भी करें ठीकः कुलसचिव

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवासतव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मुक्तांगन परिसर में खेलकूद परिषद, राष्ट्रीय सेवा योजना, रोवर्स रेंजर एवं मिशन शक्ति के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को अमृत योग सप्ताह के चौथे दिन कुलसचिव समेत विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक और कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य के

निर्देशन में यह कार्यक्रम चल रहा है। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए योग की आवश्यकता पड़ती है। हम अपनी दिनचर्या को नियमित रखकर भी रोग से बच सकते हैं, इसलिए शासन की ओर से सबको एक सप्ताह इसमें भाग लेने के लिए योजना बनाई गई है। इस अवसर पर आर्ट आफ लिविंग बेंगलूरू के योग प्रशिक्षक ई. अंकुशजी ने कहा कि योग अभ्यास के द्वारा लोगों को प्रकृति से जोड़ना मुख्य उद्देश्य है। योग मन और तन दोनों नियंत्रण में रहता है। योग के समग्र फायदों को लोगों तक पहुंचाना मेरी संस्था का उद्देश्य है। इससे पूरे विश्व भर में बीमारियों की दर को घट रही है। उन्होंने सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, शवासन और योगनिद्रा का अभ्यास कराया। योग प्रशिक्षक के साथ सहायक के रूप में विकासजी थे। इस अवसर सहायक कुलसचिव अमृत लाल, बबिता सिंह, कार्यक्रम समन्वयक प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, डा. मनोज कुमार पांडेय, डा. गिरधर मिश्र, डा. दिव्यंदु मिश्र, विद्युत मल्ल, डा. इंद्रेश कुमार, मनमोहन भट्ट, रमेश पाल, अरूण शर्मा, पंकज सिंह, सुशील प्रजापति, मोहिंद्र पाल, धीरज श्रीवास्तव, अशोक सिंह, रजनीश सिंह, राजेश सिंह, आदर्श अरूण आदि शामिल थे।

## झांसी में पावर कट से हाहाकार : विभाग कह रहा कटौती हो ही नहीं रही सरकार

झांसी ब्यूरो : आसमान से मानो आग बरस रही हो। ऐसे में बिजली का संकट लोगों को बेचौन कर रहा है। कभी रात को पावर कट तो कभी दिन में घंटों की कटौती। खास बात यह है कि बिजली विभाग ने 6 जून से 15 जून तक की सप्लाई का जो रिकार्ड शासन को भेजा है उसमें महानगर में केवल 3 दिन ही कटौती दिखाई है। बाकी दिनों में जो बिजली गुल हुई है उसे उपकरणों की खराबी और ओवरलोड बताया जा रहा है। झांसी और ललितपुर में बिजली की स्थिति हर उपभोक्ता जान रहा है। लेकिन विभाग बार बार शासन को जो रिपोर्ट दे रहा है उसके मुताबिक महानगर में 24 घंटे बिजली दी जा रही है। अगर कोई फाल्ट हो जाए या ट्रांसफारमर ओवरलोड हो जाए तो कट किया जा रहा है। वहीं ग्रामीण इलाकों में 12 से 15 घंटे बिजली देने का दावा हो रहा है जबकि ग्रामीण इलाकों का हाल बुरा है। कहीं आठ घंटे बिजली मिल रही है तो कहीं सात घंटे। बिजली की समस्या से पानी की किल्लत भी खड़ी हो गई है। क्योंकि बिजली नहीं तो पानी नहीं। बोले विधायक, झूठे हैं बिजली विभाग के आंकड़े झांसी। विभाग जहां महानगर में कटौती की बात से इंकार कर रहा है वहीं विधायक कह रहे हैं कि इस समय भारी कटौती हो रही है। ग्रामीण इलाकों को 15 घंटे बिजली देने की बात की जा रही है जबकि मुश्किल से सात घंटे भी नहीं आती। शहर विधायक रवि शर्मा का कहना है कि इस समय फील्ड में लोग सबसे ज्यादा बिजली को लेकर ही बात कर रहे हैं। बिजली कब चली जाए कुछ पता ही नहीं चलता। बबीना विधायक राजीव सिंह पारीछा का कहना है कि ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में संकट ज्यादा है। इस समय मांग और उपलब्धता में तालमेल न हो पाने से भी संकट बढ़ रहा है। बैठकों में मामला उठाया जा रहा है। गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत का कहना है कि बीते दिन डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य आए थे तब भी उनके सामने बिजली का मुद्दा उठाया गया था। रात में गांवों को बिजली मिल ही नहीं रही है। किसान सिंचाई तक नहीं कर पा रहे हैं।

## स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करके शहीदों के सपनों को साकार करे – जिलाधिकारी

जौनपुर सू.वि. : अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के क्रम में अमृत सप्ताह के चतुर्थ दिवस जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की उपस्थिति में ग्राम पंचायत हौज स्थित शहीद स्थल पर योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। लोगो को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी द्वारा बताया गया की स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करके हम शहीदों के सपनों का भारत बना सकते हैं और इसके लिए नियमित और निरन्तर ध्यान और प्राणायामों के अभ्यास से व्यक्ति अपनें स्वास्थ्य को सर्वोत्तम बना सकता है। जिलाधिकारी द्वारा बताया गया आज जिस ढंग से मध ुमेह और मोटापा जैसी समस्याएं हर घर तक पहुंच रही हैं वह एक चिन्तनीय विषय है। इन समस्याओं के समाधान में कपालभाति प्राणायाम का अभ्यास बेहद कारगर होता है इसलिए एक महा अभियान चलाकर इस प्राणायाम को जन जन तक पहुंचाना होगा। योग के क्रियात्मक और सैद्धांतिक पक्षों का प्रशिक्षण पतंजलि योग समिति के प्रान्तीय सह प्रभारी अचल हरीमूर्ति, कुलदीप, विकास और ज्ञान प्रकाश द्वारा दिया जा रहा है जिसमें पेट, पीठ, कमर, रीढ़ की हड्डियों से सम्बंधित समस्याओं से समाधान हेतु सरल व्यायामों

के साथ मकरासन, भुजंगासन, मर्कटासन, शलभासन और पवन मुक्तासनों के अभ्यास को कराते हुए ध्यान और प्रमुख प्राणायामों का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामप्रकाश, जिला विकास अधिकारी बीबी सिंह, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधि ाकारी डॉ0 कमल, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कमलेश मौर्य, जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार, खंड विकास अधिकारी सिरकोनी सहित अन्य लोगों ने प्रतिभाग किय। इसी क्रम में उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय परिसर, उत्सव वाटिका शाहगंज, सूरज घाट पंचहटिया, पुलिस लाइन, लोहिया पार्क, पॉलिटेक्निक, देवचंदपुर एवं जनपद में संचालित हेल्थ वेलनेस सेंटर केंद्रों पर योग शिविर का आयोजन किया गया।

## 05 दिवसीय योग कार्यक्रम का किया गया आयोजन

जौनपुर सू.वि. : 17 जून 2022 से 05 दिवसीय योग कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 07.00 से 08.00 बजे तक कारागार के अन्दर पतंजलि योग समिति के योग प्रशिक्षक डा० हेमन्त, अर्जुन, प्रियम्बकम व शनि के द्वारा किया गया। इस योग कार्यक्रम में बन्दियों को योगासन व विभिन्न प्रकार के प्राणायाम करवाये गये साथ ही बन्दियों को योग के माध्यम से नैतिक एवं आध यात्मिक विकास का ज्ञान भी दिया गया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक श्रीकृ ष्ण पाण्डेय, जेलर कुलदीप सिंह भदौरिया, डिप्टी जेलर राजकुमार सिंह, शिक्षाध्यापक प्रदीप कुमार अस्थाना आदि लोग उपस्थित रहे।

## पांच साल के बालक के हत्यारोपी को आजीवन कारावास

झांसी ब्यूरो : बबीना के सरवां गांव में पांच साल के प्रिंस की हत्या के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश अविनाश कुमार सिंह ने आरोपी सुनील बरार को आजीवन कारावास समेत 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। हत्यारोपी ने बालक के पिता से विवाद के बाद बदला चुकाने के इरादे से उसकी हत्या कर दी और शव अपने घर के पास की झाड़ियों में फेंक दिया। विशेष लोक अभियोजक संजय पांडेय ने बताया कि 9 अगस्त 2017 को सरवां गांव निवासी बद्री प्रसाद वंशकार का पांच साल का बेटा प्रिंस घर के सामने खेलते समय लापता हो गया। परिजनों ने बबीना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। दूसरे दिन उसका शव पड़ोस में रहने वाले सुनील बरार पुत्र शिवदयाल बरार के घर के पास झाड़ियों से बरामद हुआ। पुलिस पड़ताल में सुनील बरार का नाम सामने आया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी। इसके मुताबिक सुनील और बद्रीप्रसाद एक साथ पानी की टंकी बनाने का काम करते थे। दोनों के बीच विवाद हो गया था। इसके बाद सुनील को काम मिलना बंद हो गया। इसको लेकर सुनील ने बद्रीप्रसाद से दुश्मनी मान ली। बद्रीप्रसाद को सबक सिखाने की गरज से उसने उसके पुत्र प्रिंस की हत्या कर दी। सुबूत एवं गवाहों को देखते हुए अपर सत्र न्यायाधीश ने सुनील पर लगे आरोपों को सही पाते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा आईपीसी की धारा 363, 364 समेत का भी उसे दोषी पाया गया। अदालत ने इन सभी में जुर्माना भी लगाया है। यह सभी सजा एक साथ चलेंगी।

## महिला की मौत : पति पर हत्या का आरोप

अलीगढ़ ब्यूरो : महानगर के सुरेंद्र नगर इलाके की महिला की महाराष्ट्र के पुणे हिंजेवाड़ी में मौत के मामले में उसके पति पर पीट–पीटकर हत्या का आरोप लगा है। पति भी अलीगढ़ का ही मूल निवासी है, जो वहां पर बतौर तकनीकी विशेषज्ञ नौकरी करता है। इस खबर पर मायके पक्ष की ओर से वहां पति पर मुकदमा दर्ज कराया है। पुणे पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। मायके पक्ष से मिली जानकारी के अनुसार सुरेंद्र नगर निवासी 30 वर्षीय अवंतिका की शादी चार वर्ष पूर्व स्वर्ण जयंती नगर निवासी शिवम संग हुई थी। शिवम पुणे हिंजेवाड़ी में तकनीकी विशेषज्ञ के पद पर तैनात है। पिछले वर्ष पति–पत्नी साथ रहने पुणे चले गए। जहां मान गांव में एक फ्लैट में दंपती रहते थे। घटना 9 जून की है। महिला को बेहोशी की हालत में अस्पताल ले जाया गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस मामले में खबर पर पहुंचे मायके पक्ष ने आरोप लगाया कि शिवम रात में शराब के नशे में आया और पत्नी के विरोध पर उसने मारपीट कर दी। खबर पर पुलिस भी अस्पताल पहुंच गई थी। दंपती पर एक तीन वर्ष की बेटी भी है। पुलिस ने उसके नाना–नानी के वहां पहुंचने तक बच्ची को अपने पास रखा। अब मुकदमे के आधार पर आरोपी पति गिरफ्तार कर लिया है।

## आधुनिक तकनीक इस्तेमाल कर बढ़ाएं पैदावार

अलीगढ़ ब्यूरो : कृषि उत्पादन आयुक्त (एसीपी) मनोज कुमार सिंह ने कहा है कि किसान आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर पैदावार बढ़ाएं। आय बढ़ाने के लिए परंपरागत खेती के स्थान पर हरियाणा एवं पंजाब की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी दलहन, तिलहन एवं उद्यान पर जोर देने का सुझाव किसानों को दिया। कृषि उत्पादन आयुक्त बृहस्पतिवार को जीटी रोड स्थित एक होटल में मंडलीय खरीफ गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान एसीपी ने कहा कि काश्तकार लेजर लैंड लेबरल की मदद से खेतों का समतल कराकर पानी की खपत को कम और पैदावार को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिन किसानों के पास ट्रैक्टर हैं उनको ही सब्सिडी पर सहायक उपकरण देने में वरीयता दी जाए। किसानों की मांग पर जल्द ही पायनियर कंपनी का बाजरा बीज एवं बाजरा क्रय केंद्र खोलने पर निर्णय लिया जाएगा। प्रमुख सचिव (सहकारिता) बीएल मीणा ने कहा कि प्रदेश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। दूसरे प्रदेशों से सटे जिलों के डीएम इस बात का ध्यान रखें कि उर्वरक पड़ोसी प्रदेशों में न जाने पाए। उन्होंने कहा कि किसान धान, गेहूं जैसी परंपरागत खेती के साथ ही मत्स्य, डेयरी, कुक्कुट एवं शाक – भाजी का उत्पादन कर अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं। प्रमुख सचिव (उद्यान) राजेश कुमार सिंह ने कृ षि विविधिकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नई आबकारी नीति लागू हुई है। जिसके तहत आम, लीची, आंवला, अमरूद, सेब, अंगूर से शराब बनायी जाएगी। इसमें नई शराब फैक्टरी लगाने पर पांच वर्ष तक आबकारी शुल्क में छूट रहेगी। कृषि निदेशक विवेक कुमार सिंह ने कहा कि कृषि रक्षा इकाइयों पर कृषि रक्षा रसायन उपलब्ध कराए गए हैं। बरेली मंडल की समस्याओं के बारे में कहा कि वहां 3 एवं 5 एचपी

के सोलर पंप मांग के अनुरूप उपलब्ध कराए जाएंगे। अलीगढ़ मंडल में बाजरा के क्रय केंद्र खोलने, कासगंज में उप कृषि निदेशक का पद सृजित करने पर शासन स्तर पर विचार किया जा रहा है। आगरा मंडल में बाजरा को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद कराने का प्रयास किया जाएगा। आलू आधारित उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। मंडलायुक्त अलीगढ़ गौरव दयाल ने कहा कि बाजरा, धान, मक्का, अरहर, मूंग एवं उर्द की खेती के लिए पर्याप्त बीज एवं उर्वरकों की उपलब्धता है। मंडलायुक्त आगरा अमित गुप्ता ने कहा कि खरीफ में 78 हजार हेक्टेयर फसल का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। फिरोजाबाद में 650 महिलाओं के माध्यम से गठित एफपीओ ने चिप्स उत्पादन, मैनपुरी में समूह की 200 महिलाओं ने कुक्कुट फार्म का संचालन कर आर्थिक लाभ प्राप्त किया है। आगरा एवं मथुरा में झींगा पालन से भी किसान आर्थिक लाभ ले रहे हैं। अपर आयुक्त बरेली प्रीती जायसवाल ने बताया कि मंडल में 7.8 लाख हेक्टेयर के स्थान पर इस वर्ष 8.13 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में खरीफ फसल बोई जाएंगी। अलीगढ़ के डीएम इंद्र विक्रम सिंह ने जिले की कार्ययोजना के बारे में बताया।

## स्टार्ट अप संवाद के लिए चुना गया झांसी के छात्र का मॉडल

झांसी ब्यूरो : 18 जून को लखनऊ में एकेटीयू में होने वाले स्टार्ट अप संवादः यूपी स्टार्ट अप चौलेंज और एक्सपो के लिए प्रदेश के 50 छात्रों के मॉडल चुने गए हैं। इनमें झांसी के छात्र अनुज विश्वकर्मा का मॉडल भी शामिल है। अनुज ने ड्रिप अलार्म पर मॉडल बनाया हुआ है। अनुज ने बताया कि ड्रिप अलार्म का उपयोग अस्पतालों या फिर घर पर मरीज की देखरेख के लिए किया जा सकता है। कई बार मरीजों को चढ़ाई जा रही ड्रिप खत्म हो जाती है और स्टाफ या

तीमारदार देख नहीं पाते हैं। ये मरीज के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। इसको मद्देनजर रखते हुए उन्होंने ड्रिप अलार्म बनाया है। इस अलार्म को ड्रिप के ऊपर लगाकर डिवाइस चालू कर देते हैं। जब तक मरीज को ड्रिप चढ़ती रहती है, तब तक हरी बत्ती जलती है। ड्रिप खत्म होने के सात मिनट पहले ही इसमें लगा अलार्म बजने लगता है। उसमें दर्ज मोबाइल नंबर पर फोन भी चला जाता है। इससे मरीज के परिजन को पता चल जाता है कि अब ड्रिप बदलने का समय आ गया है। नवाचार करने वाले सभी 50 छात्र शनिवार को लखनऊ में निर्णायक के सामने अपने मॉडल प्रस्तुत करेंगे। इनमें से तीन विजेता चुने जाएंगे। चार को सांत्वना पुरस्कार दिया जाएगा।

## किसानों ने बेकदरी बयां की तो बगलें झांकने लगे अफसर

अलीगढ़ ब्यूरो खरीफ गोष्ठी के दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त के सामने किसानों ने अपनी बेकदरी बयां की तो अफसर बगलें झांकते नजर आए। किसानों ने अफसरों के सामने समस्याओं की झड़ी लगा दी। इस बीच अफसरों ने खामियों को छिपाने और नाराज किसानों को साध ाने का भरसक प्रयास किया। ब्रह्मपुरी (कासगंज) निवासी किसान संजीव शर्मा ने कहा कि प्रदेश में असलाह का लाइसेंस बनवाना आसान है, लेकिन जैविक खेती के प्रमाण पत्र पाने की प्रक्रिया काफी मुश्किल है। इसके लिए दो साल से अफसरों के यहां चक्कर काट रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जैविक खेती का प्रमाण पत्र लखनऊ और गाजियाबाद में बनते हैं। बिना प्रमाण पत्र के जैविक उत्पाद का अच्छा बाजार मूल्य नहीं मिल पा रहा है। अलीगढ़ के किसान आरके पचौरी ने ऋण मिलने में हो रही समस्या को रखा। भारतीय किसान संघ के चौध री गुलवीर सिंह ने बीज अनुदान का पैसा न मिलने और आलू भंडारण का किराया तय न होने का मुद्दा रखा। एटा के किसान विनोद चौहान ने किसान उत्पादन संगठन (एफपीओ) के साथ नियमित बैठक करने की बात कही। हाथरस के किसान धीरेंद्र सिंह ने सोलर पंप का बीमा । आगरा के किसान विशंभर सिंह चाहर ने नहरों में गंगाजल बढ़ाने और पर्याप्त मात्रा में आलू बीज उपलब्ध कराने की बात रखी। बरेली के सर्वेश कुमार ने जैविक उत्पादों की गुणवत्ता प्रयोगशाला खोलने तथा बहेड़ी के किसान राकेश गंगवार ने चीनी मिल पर किसानों का 250 करोड़ रुपये बकाया होने की बात कही। पीलीभीत के किसान भुवनेश कुमार ने गन्ने में फंगस से बचाव के लिए बायो

पेस्टीसाइड्स बनाने। बदायूं के वीरेश तोमर ने एफपीओ को एनआरएलएम समूहों से जोड़ने का सुझाव रखा। मैनपुरी के सिराज अहमद, पीलीभीत के कृष्ण कुमार, बरेली के सीताराम, कासगंज के हरदेव शर्मा, अलीगढ़ के भंवरपाल सिंह, राकेश देशराजन ने भी दर्द बयां किया। उधर, भाकियू (हरपाल) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी हरपाल सिंह ने मंच पर किसानों को स्थान न देने पर नाराजगी व्यक्त की है।

## अलीगढ़ में पांच डॉक्टरों सहित नौ कोरोना संक्रमित

अलीगढ़ ब्यूरो : जिले में बृहस्पतिवार को कोरोना से नौ लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। संक्रमित पांच चिकित्सक पुरुष हैं, जिनमें एक मेडिकल रोड स्थित रिफा अपार्टमेंट, दूसरे मेडिकल कॉलेज, तीसरे मेडिकल रोड, चौथे सर सैयद नगर व पांचवें हादी नगर धौर्रा के निवासी हैं। महिला मरीज मेडिकल रोड की रहने वाली है। अन्य तीन पुरुष मरीजों में दो मेडिकल कॉलेज के हैं व एक धनीपुर स्थित गंगा पैलेस के पास रहते हैं। सीएमओ डॉ नीरज त्यागी ने बताया कि सभी मरीजों के संपर्क में आने वाले लोगों की जांच कराई जा रही है।

# छुट्टी के सत्ताइस दिन बाद भीषण गर्मी में खुले स्कूल : तपते धूप में स्कूल से घर आते दिखे बच्चे

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)20 मई को हुई गर्मी की छुट्टियों के बाद गुरुवार से परिषदीय विद्यालयों में पठन दृ पाठन शुरू हो गया है।करीब 27 दिनों की छुट्टी के बाद खुले स्कूलों में पहले दिन रौनक कम दिखाई दी।वास्तव में यह पहली बार है जब जुलाई की जगह तपते जून में ही स्कूल खोल दिए गए हैं।अगर देखा जाये तो पहले तीस जून तक ग्रीष्मावकाश होता था।इस बार टाइम एंड मोशन स्टडी के तहत अवकाश अवधि कम की गई है।पहले दिन गुरूवार को मौसम ने साथ दे दिया वर्ना भीषण गर्मी में बच्चों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता।हालांकि शिक्षक और अभिभावक दोनों इसे अव्यवहारिक मान रहे हैं।इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अयोध्या संतोष देव पांडेय ने बताया कि सभी प्रधानाध्यापकों और खंड शिक्षा अधिकारियों को गर्मी को देखते हुए बच्चों को लेकर सतर्कता बरतने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि जिले के 1790 प्राथमिक और जूनियर विद्यालयों में कुल 2 लाख 39 हजार छात्र छात्राएं पंजीकृत हैं।उन्होंने बताया कि स्कूलों में पेयजल की समुचित व्यवस्था की गई है। बीईओ भी निरंतर स्कूलों का निरीक्षण करेगें ताकि कोई दिक्कत न पेश आए। शिक्षा क्षेत्र पूराबाजार के कंपोजिट विद्यालय ददेरा में गुरुवार को प्रथम दिन प्रधानाध्यापक संचराज वर्मा सहित अध्यापक व रसोईया मौजूद रहे। प्राथमिक में 149 के सापेक्ष 9 और जूनियर में 160 के सापेक्ष 12 विद्यार्थी ही मौजूद रहे।एमडीएम में बच्चों को दाल रोटी खिलाई गई। विद्यालय में बिजली व पंखे की व्यवस्था है। वही कंपोजिट विद्यालय अकवारा में भी प्रधानाध्यापक अनिल कुमार सिंह सहित अध्यापक व रसोईया मौजूद रहे। कुल पंजीकृत 299 के सापेक्ष 25 बच्चे ही उपस्थित रहे। गोसाईगंज के प्राथमिक विद्यालय मठिया सरैया में प्रधानाध्यापक पंकज पाण्डेय समेत सभी शिक्षक और रसोईया मौजूद रहे।यहां भी पहले दिन 112 के स्थान पर करीब 35 बच्चे ही पहुंचे।वहाँ पर प्रधानाध्यापक ने बताया विद्यालय की साफ सफाई दो दिन पहले ही कराकर पंखे आदि को दुरुस्त करा लिया गया है।अधिक से अधिक बच्चे पहुंचे इसके लिए अभिभावकों से सम्पर्क किया जा रहा है।

# साकेत महाविद्यालय अयोध्या में शिक्षकों को पानी की जगह पिला दिया तेजाब : चार की बिगड़ी हालत

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) अयोध्या में स्थित साकेत महाविद्यालय के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने पीने के लिए पानी मांगने पर शिक्षकों को पानी की जगह पर तेजाब पिला दिया। शिक्षकों ने एक घूंट ली तुरंत उन्हें अहसास हुआ कि यह पानी नहीं बल्कि कुछ और है।सूत्र के मुताबिक तेजाब पीने वाले चार शिक्षकों की हालत बिगड़ने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज दर्शननगर में भर्ती कराया गया। जहां इलाज व जांच के बाद उन्हें घर भेज दिया गया है।इस संबंध में बताया गया कि तेजाब पीने वाले चार शिक्षकों में से एक की हालत ज्यादा खराब है।शिक्षकों ने भी पानी समझकर पी लिया लेकिन एक घूंट पीते ही उन्हें अहसास हुआ कि यह पानी नहीं तेजाब है। इसके बाद हड़कंप मच गया।शिक्षकों ने श्रीराम अस्पताल जाकर जांच कराई।चिकित्सकों ने इंजेक्शन लगाया और जांच की।जिसके बाद सभी घर चले गये। रात में चारों शिक्षकों की हालत खराब होने लगी। गुरुवार सुबह सभी शिक्षक दर्शननगर मेडिकल कॉलेज पहुंचे।चिकित्सकों ने इंडोस्कोपी के जरिए शिक्षकों की जांच की तो पाया कि तेजाब पीने के कारण डॉ. सुधीर राय व डॉ. मुजफ्फर मेंहदी के अंदर के अंग 15 प्रतिशत जल चुके हैंडॉ. अशोक राय को करीब 60 प्रतिशत नुकसान हुआ है।अब सवाल यह उठता है कि कॉलेज में जहां पीने के लिए पानी रखा जाता है क्या वहां तेजाब भी रखा गया था।अगर ऐसा था तो किसकी लापरवाही है।किसने वहां पर तेजाब रखा।इस बारे में कॉलेज प्रशासन कुछ नहीं बोल रहा है।अगर अनजाने में कोई छात्र तेजाब पी लेता तो किसकी जिम्मेदारी होती।क्या चतुर्थ श्रेणी कर्मी को पानी और तेजाब में अंतर नहीं पता।तेजाब की गंध तेज होती है उसके पास जाते ही अंदाजा लग जाता है।फिर उसने पानी की जगह तेजाब गिलास में भरकर कैसे दे दिया।इस संबंध में कालेज के प्राचार्य का कहना है कि उक्त कर्मी ने अनजाने में तेजाब शिक्षको को पिलाया।साकेत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अभय कुमार सिंह का कहना है कि कर्मचारी ने जान–बूझकर ऐसा नहीं किया है। गलती से उसने पानी समझकर तेजाब गिलास में भरकर दे दिया होगा। शिक्षकों की हालत ठीक है, कोई चिंताजनक बात नहीं है।कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही के सवाल पर कहा कि जब उसने जानबूझकर ऐसा नहीं किया तो कार्यवाही की जरूरत नहीं है। जो भी घटना हुई वह अनजाने में हुई है, फिलहाल इसकी जांच की जा रही है।

# वाराणसी में आज भी छाए बादल : तापमान में गिरावट से लोगों को मिला सुकून

वाराणसी ब्यूरो : मौसम में आए बदलाव से आज वाराणसी में लगातार दूसरे दिन भी बादल छाए हुए हैं। आसमान पर छाए बादल और नम हवाओं के कारण जहां तापमान में गिरावट देखने के मिली वहीं धूप का असर कमजोर होने से गर्मी का असर कम है। जिससे लोगों को सुकून मिला है। गंगा घाटों और पर्यटन स्थलों पर भीड़भाड़ बढ़ी गई है। अधिकतम तापमान में लगभग 10 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार को अधिकतम तापमान 34.6 और न्यूनतम 29.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानी प्रो. एसएन पांडेय ने बताया कि हल्की गरज और चमक के साथ बरसात होने की संभावनाएं बन रही हैं। पहली जून को प्री–मानसून की बारिश के बाद बनारस ने गर्मी का कहर झेला। 15 दिनों तक लगभग हर दिन तापमान 42–43 डिग्री सेल्सियस के ऊपर रहा। दिन के साथ ही रात के तापमान में भी बढ़ोतरी होने लगी और बुधवार को यह 31.6 डिग्री तक पहुंच गया। बुधवार रात 10 बजे शहर के कुछ हिस्सों में 10 मिनट तक

बूंदाबादी हुई। गुरुवार सुबह से ही बादलों ने सूरज की रफ्तार थामे रखी। दिन में 11 बजे धूप एकाएक तेज हुई मगर कुछ ही घंटों में बादल फिर हावी हो गए। दोपहर में कुछ इलाकों में छिटपुट बूंदें पड़ीं मगर झमाझम का इंतजार बरकरार रह गया।

# मेरठ में रैपिड के साथ मेट्रो निर्माण ने पकड़ी रफ्तार : गाजियाबाद में सुरंग का काम भी शुरू

मेरठ ब्यूरो : मेरठ में रैपिड ट्रेन के साथ ही परतापुर से मोदीपुरम तक मेट्रो ट्रेन के स्टेशनों का निर्माण कार्य भी तेज हो गया है। गुरुवार को मेरठ मेट्रो के ब्रह्मपुरी स्टेशन का निर्माण कार्य शुरू हो गया। यह स्टेशन दिल्ली रोड पर स्थित नवीन मंडी के सामने बनाया जा रहा है। शहर में इस रूट पर तीन कोच वाली मेट्रो ट्रेन चलेगी। दूसरी तरफ गोकलपुर से श्रद्धापुरी तक दूसरे कॉरिडोर पर मेट्रो चलाने के लिए भी नए सिरे से डीपीआर बनाने की तैयारी चल रही है। ब्रह्मपुरी स्टेशन से मेट्रो प्लाजा की तरफ 200 मीटर आगे रैपिड रेल का ट्रैक भूमिगत हो जाएगा। यह दिल्ली रोड का अंतिम एलिवेटेड स्टेशन है। इस स्टेशन को बनाने के लिए पिलर के दोनों तरफ स्टेशन को सपोर्ट देने के लिए कार्य शुरू कर दिया गया है। इस स्टेशन को 75 मीटर चौड़ा बनाया जाएगा। शहर में रैपिड रेल के ट्रैक पर ही मेरठ साउथ (मोहिउद्दीनपुर) से मोदीपुरम तक तीन कोच की मेट्रो ट्रेन चलाई जाएगी। अभी तक मेरठ साउथ, परतापुर, रिठानी, शताब्दीनगर स्टेशन का कार्य पहले ही शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा मेट्रो के मेरठ सेंट्रल, भैसाली, बेगमपुल, एमईएस कॉलोनी, डौरली, मेरठ नॉर्थ, मोदीपुरम पर कार्य भी जल्द शुरू होने की उम्मीद है। मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक मेट्रो के 12 स्टेशन

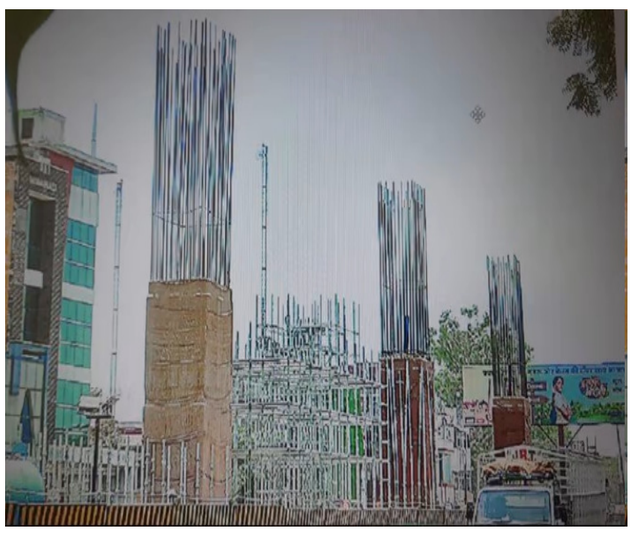

बनेंगे। रैपिड से छोटे होंगे मेट्रो के स्टेशन दिल्ली–मेरठ रैपिड रेल कॉरिडोर पर मेट्रो के स्टेशन रैपिड वाले से छोटे होंगे। मेट्रो के स्टेशन 75 मीटर चौड़ाई के बनाए जाते हैं जबकि रैपिड रेल के स्टेशन 215 मीटर चौड़ाई के बनाए जाएंगे। बिजली बंबा चौराहे पर बनाया जा रहा रैपिड रेल का शताब्दीनगर स्टेशन 215 मीटर चौड़ाई का बनाया जा रहा है। इस स्टेशन पर मेट्रो और रैपिड दोनों की सुविधा मिलेगी।

# जुमे की नमाज को लेकर कड़ी सुरक्षा कवच में जकड़ी रही जिला अयोध्या : शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहे 26 मजिस्ट्रेट तैनात

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) पिछले जुमे को कई जिलों में हिंसक प्रदर्शन के बाद इस शुक्रवार को लेकर शासन के दिशा निर्देश पर अयोध्या जिले की सुरक्षा व्यवस्था पूरे दिन कड़ी रही। इस दौरान शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लगभग 26 मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई थी तो पुलिस को लगातार पेट्रोलिंग के निर्देश दिए गए थे।वही जिले में इस दौरान संवेदनशील और अति संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी गुरुवार से ही बढ़ा दी गई थी।वही एक दिन पहले जिला प्रशासन की ओर से शांतिपूर्ण ढंग से जुमे की नमाज अदा करने की अपील की गई है।इस दौरान जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा चेतावनी भी दी गई है कि यदि कहीं कोई अप्रिय घटना हुई तो कठोर कार्यवाही की जाएगी।शुक्रवार को नमाज को लेकर जिला प्रशासन कोई रिस्क लेने के मूड में नहीं दिखा।जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारियो ने विभिन्न मस्जिदों के इमामों को कहा गया है कि वे नमाज के बाद लोगों को इकट्ठा कदापि न होने दें।सभी थानों और एसडीएम को लगाया गया है कि उनके क्षेत्र में कोई विरोध प्रदर्शन का ऐलान तो नहीं है, किसी संस्था ने प्रदर्शन आदि के पर्चे तो नहीं बांटे हैं। इसके अलावा मस्जिदों के बाहर समुदाय के कम से कम दो संभ्रांत नागरिक लगाए गये थे।सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कुल मिलाकर 26 मजिस्ट्रेट तैनात किए गए थे जो पुलिस बल के साथ निर्धारित क्षेत्रों में शुक्रवार सुबह से नमाज अदा होने के दो घंटे बाद तक ड्यूटी पर तैनात रहे।इसके अलावा संवेदनशील और अति संवेदनशील क्षेत्रों में दंगा नियंत्रण वाहन, वाटर कैनन, अग्निशमन दस्ता लगाया गया था।

# अग्निपथ योजना को लेकर बलिया में बवाल, ट्रेन की बोगी फूंकी : जगह–जगह पत्थरबाजी

बलिया ब्यूरो : अग्निपथ योजना को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहा है। इसे लेकर बलिया में शुक्रवार तड़के ही युवा सड़कों पर उतर आए। इस दौरान युवाओं ने जहां स्टेडियम में योजना के विरोध में पुलिस को पत्रक सौंपा। वहीं प्रदर्शनकारी युवाओं ने रेलवे लाइन पर खड़ी ट्रेन की एक खाली बोगी में आग लगा दी। स्टेशन पर भी तोड़फोड़ करने के साथ जमकर पत्थरबाजी भी की। मौके पर पहुंची भारी फोर्स ने दर्जनों युवाओं को हिरासत में लिया है। युवाओं को तितर–बितर करने के लिए बल प्रयोग भी करना पड़ा। इधर, वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर भी अग्निपथ योजना को लेकर विरोध और हंगामा जारी है। रोडवेज और ट्रेनों के परिचालन पर असर पड़ा है। जौनपुर में सेना की तैयारी कर रहे युवाओं ने वाजिदपुर तिराहे पर जाम कर दिया है। जेसीज चौराहा समेत कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों की कतार लग गई है। इससे वाराणसी, प्रयागराज , लखनऊ आजमगढ़ मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया है। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट हिमांशु नागपाल मौके पर पहुंचे हैं। बड़ी संख्या में फोर्स तैनात कर दी गई है। बलिया रेलवे स्टेशन पर जमकर बवाल अग्निपथ योजना के विरोध में शुक्रवार तड़के ही युवाओं के कई गुटों में एकत्र होने की सूचना पर बलिया पुलिस सक्रिय हो गई। युवाओं का गुट स्टेडियम, काजीपुरा और एससी कॉलेज के आसपास में एकत्रित था। स्टेडियम में युवाओं ने सीओ प्रीति त्रिपाठी को अग्निपथ योजना के विरोध में पत्र सौंपा। इसके बाद वापस जाने के लिए रेलवे स्टेशन की तरफ बढ़े। इस दौरान स्टेशन पर बवाल शुरू कर दिया और पत्थरबाजी करने के साथ ही तोड़फोड़ शुरू कर दी। रेलवे स्टेशन स्थित दो दुकानों को क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने भीड़ को तितर–बितर करने के लिए बल प्रयोग किया तो रेलवे लाइन पर खाली खड़ी ट्रेन की एक बोगी में आग लगा दी। आग की सूचना के बाद मौके पर फायर बिग्रेड को बुला लिया गया। युवा जगह–जगह पत्थरबाजी करते रहे। पुलिस पुलिस युवाओं को दौड़ाकर तितर–बितर करती रही। एसपी राजकरण नैयर ने बताया कि प्रदर्शनकारियों के एक अन्य समूह ने रेलवे स्टेशन के बाहर सड़क पर लाठी–डंडों के साथ पुलिस से बहस की और रेलवे स्टेशन स्थित दुकानों और बेंचों को तोड़ना शुरू कर दिया। युवाओं को तितर–बितर करने के लिए बल प्रयोग करना पड़ा। एसपी ने बताया कि कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। आज के वीडियो के आधार पर उपद्रवियों को चिन्हित किया जा रहा है। मऊ में बस पर पथराव, कई यात्री घायल सेना भर्ती की तैयारी कर रहे मऊ के युवाओं ने सुबह करीब 10 बजे

नेशनल हाईवे अमिला–थानीदास मार्ग को जाम कर दिया। लगभग एक घंटे बाद मामले की जानकारी होने पर उपजिलाधिकारी घोसी, सीओ सहित आला अधिकारियों ने चक्कजाम हटाने को कहा। प्रदर्शनकारी मान नहीं रहे थे। अधिकारियों के समझाने के बाद प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। मामला शांत हो जाने के बाद कुछ प्रदर्शनकारी थानीदास से लगभग 300 मीटर दूर रामजानकी मंदिर के समीप झाड़ियों में छिप गए। इसी बीच गोरखपुर की तरफ से मऊ आ रही काशी डिपो की बस पर पथराव कर दिया। इससे बस का शीशा टूटने के साथ ही एक दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाठी भांज कर युवाओं को खदेड़ा। अग्निपथ के विरोध में प्रदर्शन ने रोकी रेल की रफ्तार अग्निपथ योजना का पूर्वांचल में हुए विरोध का असर रेल परिचालन पर पड़ा है। देवरिया में रेल मार्ग बाधित किए जाने के लिए पूर्वोत्तर रेलवे के बनारस मंडल की ट्रेनों को एहतियातन विभिन्न स्टेशनों पर बृहस्पतिवार को रोकना पड़ा। इसके चलते रेल यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। विरोध प्रदर्शनों के चलते 14006 लिच्छवी एक्सप्रेस भटनी में सुबह 10:25 से दोपहर 2:10 बजे तक, 14005 लिच्छवी एक्सप्रेस दुरौंधा में 10:03 से 4.05 तक, 15232 गोंदिया–बरौनी एक्सप्रेस छपरा में 10 बजे से 1:20 तक, 12562 स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस बलिया में 10:47 से 5.05 तक, 15054 लखनऊ–छपरा एक्सप्रेस गाजीपुर सिटी में 11 से 11:35 तक बजे रोकी गईं। वहीं, 11061 लोकमान्य तिलक टर्मिनल–जयनगर पवन एक्सप्रेस वाराणसी सिटी में 12:45 से 1:23 तक, 12791 सिकंदराबाद–पटना एक्सप्रेस को ज्ञानपुर रोड में 11:44 से 3:10 तक रोकना पड़ा। यहां ट्रेनों को दो से ढाई घंटे की देरी से चलाया गया। इस दौरान रेल प्रशासन के निर्देश पर आरपीएफ और जीआरपी हाई अलर्ट पर रही। पूर्वोत्तर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार के मुताबिक विरोध प्रदर्शनों का असर रेल यातायात पर पड़ा है। एहतियातन ट्रेनों को सुरक्षित परिचालन के लिए रोका गया।

# दंपती का शव रखकर ग्रामीणों ने किया चक्काजाम : भूमि विवाद में अपहरण के बाद हुई थी हत्या

आजमगढ़ ब्यूरो : आजमगढ़ के पारा गांव के अपहृत दंपती की हत्या मामले में शुक्रवार सुबह नया मोड़ आ गया। परिजनों और ग्रामीणों ने पोस्टमार्टम के बाद शव को फुलवरिया बाजार के सजनी मोड़ पर रखकर सुबह आठ बजे चक्का जाम कर दिया। घटना की जानकारी होते ही सीओ फूलपुर गोपाल स्वरूप बाजपेयी मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया लेकिन असफल रहे। उन्हें वापस होना पड़ा। इसके बाद एसडीएम फूलपुर मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझाना शुरू किया। परिवार के लोगों ने कहा कि हमारी मांग है कि हमारे भूमि विवाद को हल किया जाए। हमारे परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए। एसओ अहरौला के खिलाफ कार्रवाई की जाए और आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। जबतक मांगें पूरी नहीं होती तबतक जाम समाप्त नहीं होगा। पुलिस पर लापरवाही का है आरोप सडीएम ने परिवार के लोगों और ग्रामीणों को सभी मांगे पूरी करने का आश्वासन दिया तब जाकर एक घंटे बाद नौ बजे ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त किया और शवों का अंतिम संस्कार करने को राजी हुए। पारा गांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने गुरुवार सुबह भी दंपती अहरौला थाने पहुंच कर तहरीर दी थी। ग्रामीणों का आरोप था कि पुलिस मामले में लापरवाही बरत रही है। अपहृत दंपती की सड़क किनारे मिली थी लाश फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के अंबारी बाजार स्थित जनता इंटर कालेज के सामने सड़क किनारे स्थित गड्ढे में बृहस्पतिवार को दो दिनों से अपहृत दंपती की लाश मिली थी। मृतक के भतीजे की तहरीर पर बुधवार को तीन के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज हुआ था। इसमें हत्या की धाराएं बढ़ा दी गईं हैं। पुलिस का कहना है कि घटना के पीछे भूमि विवाद हो सकता है। अहरौला थाना क्षेत्र के पारा गांव निवासी इंद्रपाल मौर्या बीते मंगलवार को पत्नी शकुंतला के साथ बाइक से शाहगंज दवा लेने गए थे। वहां से तीन बजे उन्होंने परिजनों को फोन कर बताया कि वे घर के लिए निकल रहे हैं। देर शाम तक वह घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने उनके मोबाइल पर संपर्क करना शुरू किया। कई प्रयास के बाद पौने नौ बजे फोन उठा तो इंद्रपाल ने इतना ही कहा कि वो बड़ी मुसीबत में हैं। इसके बाद फोन कट गया। परिजन अनहोनी की आशंका में तहरीर लेकर अहरौला थाने पहुंचे तो एसओ ने मुकदमा नहीं दर्ज किया। इस पर इंद्रपाल के भतीजे प्रदीप कुमार मौर्या ने एसपी से संपर्क किया। एसपी के निर्देश पर 24 घंटे बाद बुधवार की शाम तीन के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज हुआ। नामजद आरोपियों में पक्खनपुर गांव निवासी मकरंदा सिंह, उनके भाई नगीना सिंह व नगीना की पत्नी शामिल हैं। वहीं बृहस्पतिवार की सुबह दंपती की बरामदगी के लिए पारा गांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने अहरौला थाने पहुंच कर घेराव–प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना था कि पुलिस मामले में लापरवाही बरत रही है। इस पर पुलिस ने ग्रामीणों को डरा–धमका कर थाने से भगा दिया। प्रदर्शन के तीन घंटे बाद फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के अंबारी बाजार स्थित जनता इंटर कॉलेज के सामने साढ़े ग्यारह बजे अपहृत दंपती का शव सड़क किनारे स्थित गड्ढे में पड़ा मिला। पास में ही उनकी बाइक पड़ी थी। राहगीरों ने शव देख पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची फूलपुर कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंद्रपाल एक पुत्र व दो पुत्रियों के पिता थे। फुलवरिया बाजार के सजनी मोड़ पर उनकी बिसाता की दुकान थी।

# तनाव वाले इलाके में तैनात किए गए 20 जोनल एवं 50 सेक्टर मजिस्ट्रेट

प्रयागराज ब्यूरो : शुक्रवार को नमाज के बाद बवाल की आशंका को देखते हुए प्रशासन की ओर से सतर्कता बढ़ा दी गई है। तनाव वाले क्षेत्रों में ही 20 जोनल एवं 50 सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। ये बृहस्पतिवार से शुक्रवार देर रात तक पूरे क्षेत्र पर नजर रखेंगे। पूरे क्षेत्र पर सीसीटीवी कैमरों से तो नजर रखी ही जा रही है, हर छोटी–बड़ी गतिविधि की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। मंडलायुक्त, आईजी, डीएम, एसएसपी समेत अन्य अफसरों ने अटाला, करेली समेत अन्य संवेदनशील इलाकों का पैदल मार्च किया। यह सिलसिला देर रात जारी रहा। इसके अलावा अटाला, करेली तथा शहर के अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। इनके साथ लेखपाल आदि स्टॉफ की भी ड्यूटी लगाई गई है। सभी मजिस्ट्रेट अपने–अपने क्षेत्र में मस्जिदों तथा अन्य स्थानों पर तैनात वालंटियर के संपर्क में रहेंगे। पूरे क्षेत्र पर चौराहों, प्रमुख मार्ग पर लगे कैमरों से नजर रखी जा रही है। इसके अलावा दुकानों, घरों तथा अन्य स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों भी जांच कराई गई है कि कौन–कौन से चालू हालत में हैं। डीएम संजय कुमार खत्री का कहना है कि हर तरफ शांति है। एहतियातन क्षेत्र में फोर्स तैनात है। अफसरों की भी ड्यूटी लगाई गई। इसके अलावा अन्य कदम भी उठाए गए हैं। उनका कहना है कि शांति व्यवस्था को चुनौती देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अफसरों ने धर्मगुरुओं–प्रमुख लोगों से की वार्ता डीएम समेत अन्य अफसरों ने बृहस्पतिवार को भी धर्म गुरुओं तथा क्षेत्र के प्रमुख लोगों से वार्ता की और शौहार्द बनाए रखने में सहयोग की अपील की। यह सिलसिला देर रात तक जारी रहा। मदरसों पर भी नजर, रजिस्ट्रार ने किया निरीक्षण प्रशासन की मस्जिदों के अलावा मदरसों तथा अन्य संवेदनशील भवनों पर भी नजर है। बोर्ड के रजिस्ट्रार जगमोहन भी बृहस्पतिवार को यहां पहुंच गए। संवेदनशील इलाकों में मदरसों के निरीक्षण के साथ संचालकों संग बैठक की। उन्होंने संचालकों को हिदायत दी कि मदरसों से किसी तरह की उकसाने वाली घटना न होने पाए। पिछले शुक्रवार को हुए बवाल में बड़ी संख्या में किशोर एवं युवक शामिल रहे। आशंका जताई जा रही है कि इनमें बड़ी संख्या में मदरसों के छात्र भी शामिल रहे। इसलिए प्रशासन की मदरसों पर खास नजर है। इसी क्रम में अभी कुछ दिन पहले तक यहां जिला अल्पसंख्यक अधिकारी का कार्यभार देखने वाले बोर्ड के रजिस्ट्रार जगमोहन भी यहां पहुंच गए। रजिस्ट्रार ने मदरसों के निरीक्षण के दौरान देखा कि कहीं पत्थर या अन्य वस्तुएं तो नहीं हैं। उन्होंने छात्रों की सूची भी मांगी है। इससे पहले बैठक में रजिस्ट्रार ने संचालकों शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की। साथ ही हिदायत दी कि मदरसों में कहीं ईंट–पत्थर या अन्य किसी तरह के संदिग्ध वस्तुएं न रहें। मदरसों में आने वाले छात्रों के अलावा अन्य लोगों पर भी नजर रखी जाए। चेतावनी दी कि यदि कहीं से शिकायत मिली तो कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिला अल्पसंख्यक अधिकारी कृष्ण मुरारी के अलावा चार दर्जन से अधिक मदरसों के संचालक मौजूद रहे। ग्रामीण क्षेत्रों में हर थाने पर तैनात किए गए मजिस्ट्रेट तनाव को देखते हुए प्रशासन की ओर से ग्रामीण इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। हर थाने में एक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है, जो अपने–अपने क्षेत्र पर नजर रखेंगे। इसके अलावा यदि कोई विरोध–प्रदर्शन हो तो उनसे मांगपत्र लेकर विरोध को शांत कराएंगे।

# दो साल की अवधि के भीतर भी दो मातृत्व अवकाश का लाभ न देना अवैधानिक

प्रयागराज ब्यूरो : मातृत्व अवकाश के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने कहा कि किसी महिला कर्मचारी को दो साल की अवधि के भीतर दो मातृत्व अवकाश का लाभ न देना अवैधानिक है। कोर्ट ने कहा कि मातृत्व लाभ अधिनियम में ऐसी कोई बंदिश नहीं है कि दो साल के बाद ही मातृत्व अवकाश का लाभ दिया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि यह लाभ दो साल के भीतर भी दिया जा सकता है। कोर्ट ने फिरोजाबाद बेसिक शिक्षाधिकारी के आदेश को रद्द कर दिया और और आदेश दिया कि याची को दूसरे मातृत्व अवकाश का लाभ दिया जाए। साथ ही इस समयावधि के दौरान उसे वेतन सहित अन्य लाभ प्रदान किए जाएं। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ ने फिरोजाबाद के उच्च प्राथमिक विद्यालय नगला बालू में तैनात सहायक अध्यापिका सुनीता यादव की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। याची ने 2020 में 180 दिनों का वैतनिक मातृत्व अवकाश लिया था, जिसके बाद याची ने दूसरे मातृत्व अवकाश के लिए मई 2022 में बीएसए को आवेदन किया था। बीएसए ने याची के आवेदन को इस आधार पर निरस्त कर दिया कि दो मातृत्व अवकाशों के मध्य दो वर्षों का अंतराल आवश्यक है। राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे स्थाई अधिवक्ता ने कहा कि बीएसए ने फाइनेंशियल हैंडबुक में दिए नियमों के अनुसार आदेश दिया है। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि मातृत्व लाभ अधिनियम के अनुसार याची को मातृत्व अवकाश दिया जाना विधि संगत है। फाइनेंशियल हैंडबुक में दिए नियम मातृत्व लाभ अधिनियम के प्रावधानों को निष्प्रभावी नहीं कर सकते हैं। न्यायालय ने बीएसए के आदेश को रद्द करते हुए याची को 180 दिनों का वैतनिक मातृत्व अवकाश देने का आदेश दिया।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।